सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivahan_Vishesh
Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 01, अंक 334, नई दिल्ली । सोमवार, 12 फरवरी 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

सफलता तुम्हारा परिचय दुनिया से करवाती है और असफलता तुम्हें दुनिया का परिचय करवाती है।

03 दिल्ली में घर-घर राशन योजना लागू नहीं होने दे रहे एलजी
06 चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देकर मोदी ने दिल जीत लिया
05 इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ़ इलेक्ट्रिक व्हीकल, आई- फीवा ने कोरियन डेलिगेशन को दिया भारत में निमंत्रण

रिज़र्व बैंक ने तीन NBFCs का पंजीकरण किया निरस्त

चंद मिनटों में लोन देने वाले ऐप्स को दी कड़ी चेतावनी

एक्शन लेना शुरू हो गया है, जिसमें तीन के लाइसेंस रद्द कर दिए गए हैं और 9 ने डर के मारे खुद ही लाइसेंस सौंप दिए हैं

संजय बाटला

नई दिल्ली। रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया इस दिनों ऐक्शन मोड में है भारत पे से लेकर paytm तक की हालत खराब कर के रखी है इसके अलावा गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों इसके ऊपर एक्शन लेना शुरू कर दिया है जिसमें तीन के लाइसेंस रद्द कर दिए गए हैं और 9 ने डर के मारे खुद ही लाइसेंस सौंप दिए हैं।

आरबीआई के द्वारा जिन एनबीएफसी NBFCs के ऊपर कार्रवाई की गई है उनके नाम है भारथु इन्वेस्टमेंट एंड फाइनैंस इंडिया, कॉक्स एंड किंग्स फाइनेंशियल सर्विस और पीएसपीएआर इंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड वहीं रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया के द्वारा यह कहा गया है कि नौ एनबीएफसी NBFCs और एक हाउसिंग फाइनांस कंपनी के द्वारा अपना लाइसेंस सरेंडर कर दिया गया है हाउसिंग फाइनैंस इनस्टिट्यूशन बिज़नेस से बाहर निकलने के बाद रिलायंस होम फाइनैंस लिमिटेड ने भी अपना लाइसेंस आरबीआई को सरेंडर किया है।

जल्द होगी कुछ और एनबीफीसी पर कार्यवाही

चंद मिनटों में लोन देने वाले एप्लिकेशन को भी चेतावनी

आरबीआई के द्वारा चंद मिनटों में सीधे लोन देने वाले प्लेटफॉर्म के ऊपर भी नाराजगी ज़ाहिर करते हुए कहा है कि उनकी कुछ व्यावसायिक गतिविधियां आरबीआई के द्वारा जारी किए गए लाइसेंसिंग दिशा निर्देशों को फॉलो नहीं कर रही है और यह स्पष्ट किया है कि इसका उल्लंघन किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा अगर इन्होंने अपनी स्थिति को नहीं सुधारा तो इनके ऊपर भी कड़े ऐक्शन लिए जाएंगे।

परिवहन विशेष
देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र
Title Code : DELHIN28985
PARIVAHAN VISHESH NEWS
1. Web Portal https://www.newsparivahan.com/
2. facebook https://www.facebook.com/newsparivahan00
3. Twitter https://twitter.com/newsparivahan
4. Linkedin https://www.linkedin.com/in/news-parivahan-169680298/
5. Instagram https://www.instagram.com/news_parivahan/
6. Youtube https://www.youtube.com/@NewsParivahan
पर आप सभी के लिए 24 घण्टे उपलब्ध
3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, A-4 पश्चिम विहार, नई दिल्ली : 110063
सम्पर्क : 9212122095, 9811732095
www.newsparivahan.com, www.newstransport.in
Info@newsparivahan. com, news@newsparivahan.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

GT करनाल रोड पर कई किमी तक जाम, किसानों के 'दिल्ली चलो' प्रदर्शन से सिंघु बॉर्डर पर पुलिस ने बढ़ाई चौकसी

किसानों के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली के सिंघु बॉर्डर पर सुरक्षा-व्यवस्था के इंतजाम कड़े कर दिए गए हैं जिसके चलते जीटी करनाल रोड पर ट्रैफिक जाम लग रहा है। रोड पर वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई है। आगामी 13 फरवरी को होने वाले किसान आंदोलन दिल्ली चलो की सुगबुगाहट के बीच दिल्ली पुलिस ने सिंघु बॉर्डर पर चौकसी बढ़ा दी है।

नई दिल्ली। किसानों के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली के सिंघु बॉर्डर पर सुरक्षा-व्यवस्था के इंतजाम कड़े कर दिए गए हैं, जिसके चलते जीटी करनाल रोड पर ट्रैफिक जाम लग रहा है। रोड पर वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई है। रात होने की वजह से वाहने धीरे-धीरे चल रहे हैं। आगामी 13 फरवरी को होने वाले किसान आंदोलन ़दिल्ली चलो़ की सुगबुगाहट के बीच दिल्ली पुलिस ने सिंघु बॉर्डर पर चौकसी बढ़ा दी है। रविवार की सुबह से ही सिंघु पर भारी मात्रा में कंटीले तार, मिट्टी से भरी बोरियां, सीमेंट व लोहे के बैरिकेड्स व अन्य सामान लाए गए। आठ से अधिक क्रेन व जेसीबी भी बॉर्डर पर मौजूद हैं। कई बड़े कंटेनर भी लाए जा रहे हैं। जरूरत पड़ने पर इन कंटेनर को बॉर्डर पर खड़े करने की भी तैयारी चल रही है।

राष्ट्रीय ट्रक आपरेटर वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा की गई बैठक

किसानों का 'दिल्ली चलो' विरोध प्रदर्शन, दिल्ली पुलिस ने दो दिन के लिए जारी की ट्रैफिक एडवाइजरी

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। आगामी 13 फरवरी को होने वाले किसान आंदोलन ़दिल्ली चलो़ की सुगबुगाहट के बीच दिल्ली पुलिस ने सिंघु बॉर्डर पर चौकसी बढ़ा दी गई है। इसके अलावा दिल्ली से सटे सभी बॉर्डर्स पर भी पुलिस का सख्त पहरा है। लोगों की परेशानियों को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है।

सिंघु बॉर्डर (दिल्ली-हरियाणा) के आसपास डाइवर्जन

सिंघू बॉर्डर पर कमर्शियल वाहनों के लिए सोमवार से मंगलवार तक सभी तरह के वाहनों के लिए यातायात प्रतिबंध/डायवर्जन लगाया जाएगा।

पानीपत/करनाल आदि की ओर जाने वाले वाहनों के लिए।

अंतरराज्यीय बसें

एनएच-44 के माध्यम से सोनीपत, पानीपत करनाल आदि की ओर जाने वाली अंतरराज्यीय बसें आईएसबीटी से मजनू का टीला से सिग्नेचर ब्रिज से खजूरी चौक से लोनी बॉर्डर से खेकड़ा के रास्ते केएमपी तक जाएंगी।

एनएच-44 के रास्ते सोनीपत, पानीपत, करनाल आदि की ओर जाना चाहते हैं, उन्हें एनएच-44 (डीएसआईआईडीसी) कट से निकास संख्या 2 लेने का सुझाव दिया जाता है। हरीश चंदर हॉस्पिटल क्रॉसिंग से बवाना रोड क्रॉसिंग से बवाना चौक से बवाना-औचंदी रोड तक कट, औचंदी बॉर्डर से सैदपुर चौकी होते हुए केएमपी तक।

बहादुरगढ़, रोहतक आदि की ओर जाने के इच्छुक भारी वाहनों को मुकरबा चौक से मधुबन चौक से भगवान महावीर रोड से रिठाला से पंसाली चौक से हेलीपैड से यूईआर-II से कंझावला रोड-कराला टी-प्वाइंट तक बाहरी रिंग रोड लेने का सुझाव दिया गया है। कंझावला चौक से जौंती गांव से जौंती बॉर्डर/निजामपुर बॉर्डर तक और हरियाणा के गांव बामनोली में प्रवेश करें और आगे नाहरा-नाहरी रोड से बहादुरगढ़ रोड तक जा सकते हैं।

कार सवार और एलजीवीएस वाहन चालक सोनीपत, पानीपत और करनाल जाने के लिए एनएच-44 का प्रयोग करें।

इन मार्गों से होकर भी जा सकते हैं-

निकास 1 (एनएच-44) अलीपुर कट से शनि मंदिर तक, पल्ला बख्तावरपुर रोड से, वाई-प्वाइंट से दहिसरा गांव रोड तक, एमसीडी टोल तक दो लेन वाली सड़क से बाहर निकलें, दहिसरा से जट्टी कलां रोड से सिंघू स्टेडियम से पीएस कुंडली तक, एनएच-44 की ओर पहुंचते हुए सोनीपत हरियाणा।

निकास संख्या-2 एनएच-44

डीएसआईआईडीसी कट से हरीश चंदर अस्पताल रेड लाइट से सेक्टर-ए/5 रेड लाइट से रामदेव चौक तक निकलें। रामदेव चौक से पियाउ मनियारी बॉर्डर (हरियाणा में प्रवेश) NH-44 की ओर।

निकास संख्या 2 एनएच-44

डीएसआईआईडीसी कट से हरीश चंदर अस्पताल रेड लाइट की ओर निकलें। सेक्टर-ए/5 रेड लाइट से रामदेव चौक तक। रामदेव चौक से सबोली मोड़ तक। सबोली सीमा नाथूपुर से टीडीआई कुंडली (एनएच-44) के माध्यम से हरियाणा में प्रवेश करती है।

निकास संख्या 2 एनएच-44

डीएसआईआईडीसी कट से हरीश चंदर अस्पताल रेड लाइट से सेक्टर-ए/5 रेड लाइट से रामदेव चौक से सफियाबाद मोड़ से सफियाबाद बॉर्डर) से बाहर निकलें, हरियाणा में प्रवेश करते हुए चटेरा माजरा से जथेरी गांव तक एनएच-44 को कनेक्ट करें।

एनएच-44 के निकास संख्या 2 से बाहर निकलें, डीएसआईआईडीसी कट से बवाना रोड की ओर झंडा चौक/बवाना से औचंदी रोड पर औचंदी सीमा से पहले बाएं मुड़ें, मुंगेशपुर गांव से फिरोजपुर गांव से सैदपुर चौकी तक (केएमपी)।

बहादुरगढ़, रोहतक जाने वालों के लिए-

निकास संख्या 2 डीएसआईआईडीसी कट से बवाना रोड की ओर कंझावला टी-प्वाइंट से कंझावला चौक से डॉ. साहिब सिंह वर्मा रोड से झंडा चौक/घेवरा तक बाहर निकलें और एनएच-9 को जोड़ने वाले सेवधा गांव से बहादुरगढ़ होते हुए दाएं निजामपुर सीमा पर जाएं।

बाहरी रिंग रोड को मुकरबा चौक से मधुबन चौक से भगवान महावीर रोड से रिठाला से पंसाली चौक से हेलीपैड से यूईआर-II से कंझावला रोड- कराला टी-प्वाइंट कंझावला चौक से जौंती गांव से जौंती बॉर्डर/निजामपुर बॉर्डर तक लें और हरियाणा गांव में प्रवेश करें बामनोली और नाहरा-नाहरी रोड से बहादुरगढ़ रोड होते हुए आगे जा सकते हैं।

गाजीपुर सीमा (दिल्ली-यूपी) के आसपास मार्गपरिवर्तन

दिल्ली से गाजीपुर बॉर्डर के जरिए गाजियाबाद जाने वाले लोगों के लिए

अक्षरधाम मंदिर के सामने पुश्ता रोड या, पटपड़गंज रोड/मदर डेयरी रोड या चौधरी चरण सिंह मार्ग आईएसबीटी आनंद विहार और यूपी गाजियाबाद में महाराजपुर या अप्सरा सीमा से बाहर निकलें।

NH-44 के माध्यम से हरियाणा जाने वाले वाहन वालों के लिए

डाबर चौक मोहन नगर-गाजियाबाद हापुड रोड जीटी रोड दिल्ली डासना- ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे-मेरठ एक्सप्रेस-वे राय कट की ओर बाएं मुड़ें और पहुंचें (एनएच-44) या

इंद्रपुरी लोनी पूजा पावी पंचलोक-मंडोला मसूरी-खेकड़ा (29 किमी)-ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे-राय कट (एनएच -44) के लिए बाएं मुड़ें। या

सर्विस लेन ले सकते हैं दिल्ली देहरादून एक्सप्रेस-वे-पूजा पावी बाएं मोड़ से पंचलोक-मंडोला -मसूरी-खेकड़ा बाएं मोड़ से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे - राय कट (एनएच-44)। या

ट्रॉनिका सिटी मार्ग - ट्रॉनिका सिटी - बाएं मुड़ें दिल्ली देहरादून एक्सप्रेस-वे मंडोला - मसूरी - खेकड़ा - ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे - राय कट (एनएच-44) के लिए बाएं मुड़ें।

टिकरी बॉर्डर (दिल्ली-हरियाणा) के आसपास डाइवर्जन

भारी वाहन, जो एनएच-44 के रास्ते सोनीपत, पानीपत, करनाल आदि की ओर जाना चाहते हैं, उन्हें एनएच-44 (डीएसआईआईडीसी) कट से हरीश चंदर अस्पताल क्रॉसिंग पर निकास संख्या 2 लेने का सुझाव दिया जाता है।

हरीश चंदर हॉस्पिटल क्रॉसिंग से बवाना रोड क्रॉसिंग से बवाना चौक से बवाना-औचंदी रोड तक कट, औचंदी बॉर्डर से सैदपुर चौकी होते हुए केएमपी तक।

रोहतक रोड के माध्यम से बहादुरगढ़, रोहतक आदि की ओर जाने वाले भारी/कमर्शियल वाहनों/ट्रकों को सलाह दी जाती है कि वे नजफगढ़ झरोदा सीमा के माध्यम से हरियाणा में प्रवेश करने के लिए नांगलोई चौक से नजफगढ़ नांगलोई रोड का उपयोग करें।

रोहतक रोड से बहादुरगढ़, रोहतक आदि की ओर जाने वालों के लिए-

पीवीसी रेड लाइट से झारोदा नाला क्रॉसिंग तक बाएं मुड़ें - बहादुरगढ़ की ओर पहुंचने वाले नजफगढ़ बहादुरगढ़ रोड तक दाएं मुड़ें।

हिरणकुदना गांव की ओर बाएं मुड़ें - दाएं मुड़ें दिचाऊं कलां हिरणकुदना मार्ग (5 किलोमीटर) - दिचाऊं कलां गांव-नांगलोई स्टैंड - बाएं मुड़ें नजफगढ़ फिरनी रोड - दिल्ली गेट स्टैंड - दाएं मुड़ें छावला स्टैंड - दाएं मुड़ें ढांसा स्टैंड - बहादुरगढ़ स्टैंड बाएं मुड़ें नजफगढ़ बहादुरगढ़ रोड-झरोदा गांव-झारोदा सीमा बहादुरगढ़ (एचआर) की ओर पहुंचती है।

नांगलोई नजफगढ़ रोड (13 किलोमीटर) की ओर बाएं मुड़ें नांगलोई स्टैंड - बाएं मुड़ें नजफगढ़ फिरनी रोड - दिल्ली गेट स्टैंड - दाएं मुड़ें छावला स्टैंड - दाएं मुड़ें ढांसा स्टैंड - दाएं मुड़ें बहादुरगढ़ स्टैंड - बाएं मुड़ें नजफगढ़ बहादुरगढ़ रोड - झरोदा गांव - झरोदा सीमा बहादुरगढ़ (एचआर) की ओर पहुंच रही है।

पंजाबी बाग से आने वाले मोटर चालक (कार) पीरागढ़ी चौक से बाएं मुड़ें नजफगढ़ रोड (8 किमी) तक - दाएं मुड़ें उत्तम नगर चौक-द्वारका मोड़-तुरा मंडी-नजफगढ़ फिरनी रोड बाएं मुड़ें-छावला स्टैंड-दाएं मुड़ें ढांसा स्टैंड -दाएं मुड़ें बहादुरगढ़ स्टैंड - बाएं मुड़ें नजफगढ़ बहादुरगढ़ रोड-झरोदा गांव- झारोदा बॉर्डर बहादुरगढ़ (एचआर) की ओर पहुंच रहा है।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)
TOLWA
website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com
रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल - 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण
रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

दिल्ली से पटियाला, लुधियाना, जालंधर, अमृतसर इत्यादि पंजाब में आने वाले वाहन सोनीपत, पानीपत, करनाल, पिपली चौक से बाई तरफ मुड़कर कुरुक्षेत्र, पेहवा, चीका, पटियाला, लुधियाना, जालंधर, अमृतसर जा सकते

हरियाणा पुलिस का रूट डायवर्ट प्लान

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। - अंबाला से चंडीगढ़ जाने वाले वाहन अंबाला छावनी, कैपिटल चौक से साहा, शहजादपुर, रामगढ़, पंचकूला होते हुए चंडीगढ़ जा सकते हैं।

- अंबाला से दिल्ली जाने वाले वाहन छावनी कैपिटल चौक से साहा, शाहबाद, कुरुक्षेत्र, करनाल से होते हुए दिल्ली जा सकते हैं।

- अंबाला से नारायणगढ़ जाने वाले वाहन छावनी कैपिटल चौक से साहा, शहजादपुर होते हुए नारायणगढ़ जा सकते हैं।

- एनएच-44 दिल्ली चंडीगढ़ हाईवे पर किसी यातायात की बांधा की परिस्थिति में चंडीगढ़ से दिल्ली जाने वाले यात्री डेराबस्सी, बरवाला, रामगढ़, साहा, शाहबाद, कुरुक्षेत्र के रास्ते अथवा पंचकूला, एनएच-344 यमुनानगर इंद्री, पिपली, करनाल होते हुए दिल्ली पहुंचे।

- दिल्ली से चंडीगढ़ जाने वाले वाहनों के लिए दिल्ली, सोनीपत, पानीपत, करनाल, इंद्री, लाडवा या करनाल, कुरुक्षेत्र, उमरी चौंक, लाडवा, रादौर, यमुनानगर एन एच344ए, मुलाना, शहजादपुर, बरवाला, पंचकुला होते हुए चंडीगढ़ जा सकते हैं। इसके अलावा कुरुक्षेत्र, शाहबाद, साहा, शहजादपुर, पंचकूला होते हुए भी चंडीगढ़ जा सकते हैं।

- दिल्ली से पटियाला, लुधियाना, जालंधर, अमृतसर इत्यादि पंजाब में आने वाले वाहन सोनीपत, पानीपत, करनाल, पिपली चौक से बाई तरफ मुड़कर कुरुक्षेत्र, पेहवा, चीका, पटियाला, लुधियाना, जालंधर, अमृतसर जा सकते हैं। इसके अलावा अमृतसर, जालंधर, लुधियाना, पटियाला इत्यादि पंजाब से दिल्ली जाने वाले वाहन अमृतसर जालंधर, लुधियाना, चीका, पेहवा, एनएच-152 डी से होकर जा सकते हैं।

- चंडीगढ़ से दिल्ली जाने वाले वाहन पंचकूला, रामगढ़, बरवाला, शहजादपुर, मुलाना, राष्ट्रीय राजमार्ग नंबर 344 से होकर यमुनानगर, रादौर, लाडवा, इंद्री, करनाल, पानीपत, सोनीपत, दिल्ली जा सकते हैं। चंडीगढ़ से दिल्ली जाने वाले वाहन पंचकूला, रामगढ़, बरवाला, शहजादपुर, साहा, शाहबाद, पिपली, करनाल से होकर भी दिल्ली जा सकते हैं।

- हिसार से चंडीगढ़ जाने वाले वाहन बरवाला, नरवाना, कैथल, चीका, पटियाला, चंडीगढ़ जा सकते हैं।

- चंडीगढ़ से हिसार जाने वाले वाहन चंडीगढ़, पटियाला, चीका, कैथल नरवाना, बरवाला, हिसार जा सकते हैं। इसके अलावा नारनौल, दिल्ली व रोहतक से चंडीगढ़ जाने वाले वाहन एनएच 152डी, पेहवा कट से नीचे उतरकर चीका, पटियाला, चंडीगढ़ जा सकते हैं।

- चंडीगढ़ से रोहतक, दिल्ली, नारनौल जाने वाले वाहन चंडीगढ़, पटियाला, चीका, पेहवा कट से एनएच152डी से होकर रोहतक, दिल्ली, नारनौल जा सकते हैं।

- आमजन किसी भी असहज परिस्थिति में डायल- 112 पर सम्पर्क करके सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

इनसाइड

50 के बाद भी रहना है हेल्दी, 4 विटामिन्स को करें डाइट में शामिल, कम दिखने लगेगी उम्र, हमेशा रहेंगी फिट

पचास की उम्र के बाद महिलाओं में कमजोरी आने लगती है. ऐसे में महिलाएं अपनी बढ़ती उम्र को कम दिखाने की पूरी कोशिश करती हैं. वहीं, तमाम नुस्खे आजमाने के बाद भी महिलाएं अपनी ऐज को छुपाने में नाकाम हो जाती हैं. अगर आप 50 की हो रही हैं तो कुछ जरूरी विटामिन्स को डाइट (Diet tips) में एड करके आप उम्र के असर को आसानी से हाइड कर सकती हैं.

50 प्लस वुमेंस में विटामिन की कमी होना काफी आम बात है. ऐसे में विटामिन रिच डाइट को अवॉयड करने से ना सिर्फ महिलाएं फिजिकली वीक महसूस करने लगती हैं, बल्कि आपकी उम्र भी ज्यादा दिखती है. मेडिकलन्यूज़टुडे के मुताबिक, हम आपको बताते हैं 5 एसेंशियल विटामिन सप्लीमेंट्स के नाम, जिनका सेवन करके आप 50 के बाद भी खुद को यंग रख सकती हैं.

विटामिन बी 12

विटामिन बी 12 को एनर्जी का बेस्ट सोर्स माना जाता है. मगर बढ़ती उम्र के साथ शरीर में विटामिन बी 12 की कमी देखने को मिलने लगती है. ऐसे में दूध, डेयरी प्रोडक्ट्स, एनिमल प्रोडक्ट्स, चिकन, फिश, अंडा, मीट और खमीर जैसी चीजों को डाइट में शामिल करके आप विटामिन बी 12 की कमी पूरी कर सकती हैं.

कैल्शियम

कैल्शियम रिच डाइट हड्डियों को मजबूत बनाने में मददगार होती है. साथ ही कैल्शियम से भरपूर चीजें खाने से महिलाओं में फ्रैक्चर होने की संभावना कम रहती है. ऐसे में कैल्शियम की कमी पूरी करने के लिए आप ड्राई फ्रूट्स, बीज, डेयरी प्रोडक्ट्स, मछली, बीन्स, दाल, हरी पत्तेदार सब्जियों, सोयाबीन और टोफू का सेवन कर सकती हैं.

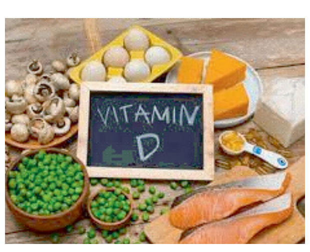

विटामिन डी

50 से ज्यादा उम्र वाली महिलाओं के लिए विटामिन डी का सेवन भी जरूरी होता है. विटामिन डी शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाने के साथ-साथ डिप्रेशन, एंग्जाइटी और थकान को दूर रखने में सहायक होता है. वहीं डेयरी प्रोडक्ट, अंडा और फिश को विटामिन डी का बेहतर स्रोत माना जाता है. इसके अलावा बॉडी में विटामिन डी की कमी पूरी करने के लिए आप कुछ देर धूप में भी बैठ सकती हैं.

विटामिन बी 6

50 के बाद शरीर में विटामिन बी 6 की कमी होने लगती है. ऐसे में फिट और हेल्दी रहने के लिए विटामिन बी 6 से भरपूर आहार लेना जरूरी हो जाता है. वहीं गाजर, पालक, केला, दूध, चिकन और कलोंजी को विटामिन बी 6 का बेस्ट सोर्स माना जाता है.

बेटियों के 'चैम्पियन' मुक्के

> सानिया मिर्जा, सायना नेहवाल, पीवी सिंधु, मीराबाई चानू और महिला पहलवानों ने भी अनेक फिकरे सुने, पोशाक तक पर सवाल किए गए, संस्कृति और परंपराओं के पतन की बातें सुननी पड़ीं, लेकिन ये तमाम खिलाड़ी 'विश्व चैम्पियन' स्तर के रहे हैं।

भारत की बेटियों ने एक बार फिर देश को गौरवान्वित किया है। इतिहास रचे हैं। औरत से जुड़े प्राचीन, लैंगिक मिथक भी भंग किए हैं। मुक्केबाजी सरीखे प्रहारक और कठोर खेल को नये आसमान, नई प्रासंगिकता दी है। मैरी कोम की एक सशक्त और विजेता पीढ़ी तैयार की है। नीतू घंघास, निकहत जऱीन, स्वीटी बूरा और लवलीना बोरगोहन आज मुक्केबाजी की 'विश्व चैम्पियन' हैं। उन्होंने क्रमशः 48, 50, 70-75 और 81 किलोग्राम भार-वर्ग में विश्व महिला मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के 'स्वर्ण पदक' हासिल किए हैं। ये पदक अनूठे, अद्भुत, अभूतपूर्व और ताकत के प्रतीक हैं। कभी कल्पना ही की जा सकती थी कि हमारी बेटियां विश्व स्तर पर मुक्केबाजी के खेल में ऐसी बुलंदियां भी छू पाएंगी, लेकिन आज यथार्थ सामने है। राजधानी दिल्ली के उसी स्टेडियम में ये चारों बेटियां 'विश्व चैम्पियन' बनीं, जहां करीब पांच साल पहले छह बार की विश्व चैम्पियन मैरी कोम ने खेल को 'भावुक अलविदा' कहा था। शायद तब सवाल और संशय रहा होगा कि मैरी कोम का 'शून्य' कौन भरेगा? महिला मुक्केबाजी सुरक्षित रह पाएगी अथवा नहीं? लेकिन एक नहीं, चार बेटियों के 'चैम्पियन मुक्कों' ने साबित कर दिया कि खेल आज भी सुरक्षित मु_यिों में बंद है। मैरी कोम की पीढ़ी भी 'विश्व चैम्पियन' है। जिस दौर में मैरी कोम ने मुक्कों का यह खेल शुरू किया था, सामाजिक प्रताडऩाएं और औरत-विरोधी सोच उन्हें भी झेलनी पड़ी थीं। सानिया मिर्जा, सायना नेहवाल, पीवी सिंधु, मीराबाई चानू और महिला पहलवानों ने भी अनेक फिकरे सुने, पोशाक तक पर सवाल किए गए, संस्कृति और परंपराओं के पतन की बातें सुननी पड़ीं, लेकिन ये तमाम खिलाड़ी 'विश्व चैम्पियन' स्तर के रहे हैं।

जब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर 'राष्ट्रगान' की धुन बजती है और 'तिरंगा' सम्मानित होता है, तो लैंगिक रूढ़िवाद के कई मिथक टूटते हैं। आज खेल में लैंगिक विभेद के आधार पर विश्लेषण नहीं किए जा सकते। हैदराबाद क्षेत्र की मुस्लिम लडक़ी निकहत जऱीन 50 किलो के भार-वर्ग में लगातार दूसरी बार 'विश्व चैम्पियन' बनी हैं। मैरी कोम के बाद जऱीन ने ही यह उपलब्धि, बुलंदी हासिल की है। घर में तीन बहनें और भी हैं और अब्बू सिर्फ एक सेल्समैन हैं। सामाजिक के साथ-साथ आर्थिक बंदिशें भी रही हैं। उन विसंगतियों के बावजूद जऱीन दोबारा 'विश्व चैम्पियन' बनी हैं। अपने खिताब की राशि से वह अपने माता-पिता को 'उमराह' को भेजना चाहती हैं, लिहाजा जऱीन की मानसिक और भावनात्मक व्यापकता की प्रशंसा की जानी चाहिए। जऱीन ने कॉमनवेल्थ गेम्स में भी स्वर्ण पदक जीता था। नीतू घंघास तो मात्र 22 साल की हैं। उनका भार-वर्ग 48 किलो का है, जिसमें मैरी कोम 'विश्व चैम्पियन' बनी थीं। ओलंपिक पदक भी जीता था। लवलीना की पृष्ठभूमि भी कम दयनीय नहीं है, लेकिन उसने टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीत कर अपना माद्दा, हुनर साफ़ कर दिया था। वह पहली बार 70-75 किलो भार-वर्ग में 'विश्व चैम्पियन' बनी हैं। स्वीटी बूरी मैरी कोम की तरह विवाहित हैं, लेकिन उनके मुक्कों की बौछार, ताकत, निशाना बिलकुल नहीं भटके हैं। लवलीना और मैरी कोम में एक साझा तथ्य यह है कि दोनों पूर्वोत्तर से आती हैं और भारत का गौरव बढ़ा रही हैं।

पहली बार पहनने जा रही हैं साड़ी, 5 बेहतरीन तरीकों की लें मदद, आसानी से मिलेगा परफेक्ट लुक

किसी स्पेशल ओकेजन पर खूबसूरत दिखने के लिए ज्यादातर महिलाएं अक्सर साड़ी पहनना पसंद करती हैं. हालांकि कुछ महिलाओं को साड़ी पहनने का बिल्कुल एक्सपीरियंस नहीं होता है. ऐसे में अगर आप भी पहली बार साड़ी पहनने का मन बना रही हैं. तो साड़ी पहनते समय कुछ आसान टिप्स (Saree carrying tips) की मदद लेकर आप चुटकियों में परफेक्ट एंड गॉर्जियस लुक कैरी कर सकती हैं.

पहली बार साड़ी पहनते समय महिलाओं को कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है. ऐसे में महिलाओं के सामने साड़ी की प्लेट्स बनाने से लेकर पल्लू सही रखने जैसे तमाम चैलेंजेस आते हैं. तो आइए हम आपको बताते हैं साड़ी पहनने के कुछ सिंपल टिप्स, जिसे फॉलो करके आप साड़ी में सबसे बेस्ट दिख सकती हैं.

हल्की साड़ी चुनें

पहली बार साड़ी पहनते समय बेस्ट लुक पाने के लिए कुछ महिलाएं कांजीवरम या बनारसी साड़ियों का चयन कर लेती हैं. हालांकि ये साड़ियां काफी भारी होती हैं. जिन्हें पहनने के बाद आप असहज महसूस कर सकती हैं. इसलिए पहली बार साड़ी पहनने के लिए शिफॉन या कॉटन की साड़ियों का सेलेक्शन बेस्ट रहता है.

प्री-प्लेट ट्राई करें

अगर आपको साड़ी पहनने की आदत नहीं है. तो आप साड़ी को पहले से प्लीट कर सकती हैं. इससे आपको साड़ी पहनने में काफी आसानी होगी और साड़ी का लुक भी बिल्कुल परफेक्ट नजर आएगा.

पिन करना ना भूलें

पहली बार साड़ी पहनते समय महिलाएं अक्सर पिन लगाना अवॉयड कर देती हैं. जिससे आपको साड़ी संभालने में दिक्कत हो सकती है. इसलिए साड़ी पहनते समय इसे अच्छी तरह से पिन करना ना भूलें. इससे आपका लुक भी ऑर्गेनाइज्ड दिखेगा.

यूनीक ब्लाउज पहनें

पहली बार साड़ी पहनते समय सिंपल तरीका फॉलो करना बेस्ट रहता है. लेकिन अगर आप साड़ी में यूनीक लुक कैरी करना चाहती हैं. तो आप ब्लाउज के साथ एक्सपेरिमेंट कर सकती हैं. ऐसे में स्पेगेटी ब्लाउज, शर्ट स्टाइल ब्लाउज या क्रॉप टॉप पहनना परफेक्ट ऑप्शन साबित हो सकता है.

पेटीकोट का सेलेक्शन

साड़ी के नीचे होने के कारण कई बार महिलाएं पेटीकोट के नजरअंदाज कर देती हैं. मगर पेटीकोट की फिटिंग साड़ी को आकर्षक लुक देने में मदद करती है. ऐसे में साड़ी का चुनाव करते समय फिटिंग और मैचिंग का पेटीकोट पहनना बेस्ट रहता है.

पर्सनैलिटी के हिसाब से खरीदें हैंड बैग, सेलेक्शन के लिए फॉलो करें ईजी टिप्स

शॉपिंग करते समय महिलाएं ड्रेस और फुटवियर के साथ मैचिंग हैंड बैग खरीदना नहीं भूलती है. वहीं बेस्ट हैंड बैग का चुनाव महिलाओं के लुक को ऑसम बनाने के साथ-साथ उनकी स्टाइलिंग को भी एन्हॉन्स करता है. हालांकि हैंड बैग (Hand bag) खरीदते समय महिलाएं कुछ कॉमन मिस्टेक्स कर देती हैं. ऐसे में कुछ जरूरी बातों को ध्यान में रखकर आप अपने लिए आसानी से परफेक्ट हैंड बैग का चुनाव कर सकती हैं. दरअसल हैंड बैग का काम सिर्फ बेस्ट लुक पाने तक सीमित नहीं होता है. बल्कि इसमें महिलाओं की जरूरत का हर सामान भी मौजूद रहता है. ऐसे में गलत हैंड बैग का चुनाव आपके लिए घाटे का सौदा साबित हो सकता है. तो आइए जानते हैं हैंड बैग खरीदने के कुछ आसान टिप्स, जिसे फॉलो करके आप अपने लिए बेस्ट हैंड बैग सेलेक्ट कर सकती हैं.

जरूरत निर्धारित करें: हैंड बैग खरीदने से पहले अपनी जरूरत को ध्यान में रखना न भूलें. जहां किसी स्पेशल ओकेजन के लिए आप स्टाइलिश बैग का सेलेक्शन कर सकती हैं. वहीं रोजमर्रा की जरूरतों के लिए क्लासिक शोल्डर बैग लेना अच्छा ऑप्शन होता है. इसमें आपको सामान रखने के लिए काफी स्पेस भी मिल जाता है.

जरूरत निर्धारित करें: हैंड बैग खरीदने से पहले अपनी जरूरत को ध्यान में रखना न भूलें. जहां किसी स्पेशल ओकेजन के लिए आप स्टाइलिश बैग का सेलेक्शन कर सकती हैं. वहीं रोजमर्रा की जरूरतों के लिए क्लासिक शोल्डर बैग लेना अच्छा ऑप्शन होता है. इसमें आपको सामान रखने के लिए काफी स्पेस भी मिल जाता है.

साइज चेक करें: हैंड बैग लेने के दौरान बैग के साइज के साथ-साथ अपनी पर्सनैलिटी पर भी ध्यान दें. कम हाइट के साथ लम्बा बैग कैरी करने से आपकी लम्बाई भी कम लगने लगती है. ऐसे में छोटी महिलाओं के लिए स्मॉल या मीडियम साइज बैग्स और ज्यादा हाइट वाली महिलाओं के लिए बिग साइज बैग लेना बेहतर रहता है.

साइज चेक करें: हैंड बैग लेने के दौरान बैग के साइज के साथ-साथ अपनी पर्सनैलिटी पर भी ध्यान दें. कम हाइट के साथ लम्बा बैग कैरी करने से आपकी लम्बाई भी कम लगने लगती है. ऐसे में छोटी महिलाओं के लिए स्मॉल या मीडियम साइज बैग्स और ज्यादा हाइट वाली महिलाओं के लिए बिग साइज बैग लेना बेहतर रहता है.

हैंड बैग का शेप देखें: हैंड बैग के कलर और साइज के साथ-साथ शेप पर फोकस करना भी जरूरी होता है. ऐसे में कम हाइट वाली महिलाओं पर रेक्टेंगुलर या चौकोर बैग ज्यादा अच्छा लगता है. वहीं लम्बी और स्लिम फिगर वुमेन्स पर गोल बैग काफी सूट करता है. (Image-Canva)

हैंड बैग का शेप देखें: हैंड बैग के कलर और साइज के साथ-साथ शेप पर फोकस करना भी जरूरी होता है. ऐसे में कम हाइट वाली महिलाओं

दिल्ली में घर-घर राशन योजना लागू नहीं होने दे रहे एलजी, आतिशी की अपील- लोकसभा चुनाव में हमें दें वोट

आप की सरकार पहले दिल्ली में यह योजना लाना चाहती थी, लेकिन केंद्र में बैठी भाजपा सरकार ने एलजी के जरिए इसे दिल्ली में लागू नहीं करने दिया। अब यही योजना शनिवार को दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल और पंजाब सीएम भगवंत मान ने पंजाब के अंदर शुरू कर दिया है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने पंजाब की तरह दिल्ली में भी घर-घर राशन योजना लागू करने के लिए दिल्लीवासियों से लोकसभा चुनाव में उनका समर्थन मांगा है। आप की वरिष्ठ नेता आतिशी ने कहा कि अगर दिल्लीवासी भी चाहते हैं कि पंजाब की तरह दिल्ली में घर-घर राशन योजना लाई जाए तो आगामी लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को वोट दें, ताकि हम दिल्ली की आवाज संसद तक पहुंचा सकें और यह लड़ाई लड़ सकें।

उन्होंने कहा कि आप की सरकार पहले दिल्ली में यह योजना लाना चाहती थी, लेकिन केंद्र में बैठी भाजपा सरकार ने एलजी के जरिए इसे दिल्ली में लागू नहीं करने दिया। अब यही योजना शनिवार को दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल और पंजाब सीएम भगवंत मान ने पंजाब के अंदर शुरू कर दिया है। अब पंजाब के 17 लाख राशन कार्ड धारकों को उनके हक का राशन उनके घर पहुंचाया जाएगा और उन्हे राशन की दुकानों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और न तो दुकानदारों की बदतमीजी सहनी पड़ेगी।

दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री आतिशी ने रविवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि दिल्ली समेत पूरे देश में सबसे तबके के लोगों को राशन देने के लिए सरकार पूरी व्यवस्था बनाती है। हर गरीब के पास राशन कार्ड होता है। उस राशन कार्ड के जरिए गेहूं, चावल और चीनी मिलती है। दिल्ली सरकार या केंद्र सरकार गरीबों को राशन इसलिए देती है, क्योंकि सरकारों का मानना है कि खाने पर सबका अधिकार है, देश में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं होना चाहिए, जो रात में भूखा सोए या खाना न होने की वजह से उसकी मृत्यु हो जाए। लेकिन हर राशन कार्ड धारक यह भी जानता है कि चार किलो चावल, एक किलो आटा और एक किलो चीनी लेने में उनको कितनी दिक्कतें आती हैं? हर महीने जब एक गरीब परिवार अपना राशन लेने राशन की दुकान पर जाता है तो उसे कई बार राशन की दुकान बंद मिलती है, कई बार उसको लंबी लाइन में लगना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि जब राशन लेने का नंबर आता है तो राशन डीलर उसके साथ बदतमीजी और गाली गलौज करता है, कई बार कह देता है कि चीनी खत्म है, चावल खत्म है, गेहूं पूरा नहीं है। इसलिए अक्सर राशन कार्ड धारक को अपना पूरा राशन नहीं मिल पाता है। उसे कभी चावल, तो कभी गेहूं कम मिलता है, कभी चीनी नहीं मिलती है। दूसरी तरफ, जब भी कोई व्यक्ति राशन वितरण में गड़बड़ी करने वाले दुकानदारों के खिलाफ आवाज उठाता है तो उस पर हमले होते हैं, चाकू चलते हैं और उनके पीछे गुंडे छोड़ दिए जाते हैं। क्योंकि राशन के दुकानदार अपने आप में किसी एक माफिया से कम नहीं है। इन्ही समस्याओं को देखते हुए आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली के अंदर होम डिलीवरी ऑफ राशन यानी घर-घर राशन पहुंचाने की योजना बनाई।

आतिशी ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार को दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार की कोई भी ऐसी योजना बर्दाश्त नहीं होती है, जो दिल्ली वालों की जिंदगी को और बेहतर बनाती है। 2018 में घर-घर राशन योजना दिल्ली कैबिनेट में पास हुई थी और 2021 में स्कीम को नोटिफाई किया गया लेकिन आज तक लोग सब के माध्यम से केंद्र सरकार ने दिल्ली के अंदर घर-घर राशन योजना को लागू नहीं होने दिया। हमारी हर संभव कोशिश के बावजूद आज भी दिल्ली वालों को राशन की दुकानों के सामने धक्के खाने पड़ते हैं, बार-बार लाइनों में लगना पड़ता है, राशन दुकान वालों की बदतमीजी सहनी पड़ती है, क्योंकि केंद्र सरकार और उनके नुमाइंदे एलजी साहब घर-घर राशन योजना को दिल्ली में साकार नहीं होने दे रहे हैं।

आतिशी ने कहा कि केंद्र के दखल के चलते आप की सरकार दिल्ली में घर घर राशन योजना भले न लागू कर पाई लेकिन 10 फरवरी 2024 को यही योजना दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल और पंजाब सीएम भगवत मान ने पंजाब में शुरू कर दी। इस योजना के तहत पंजाब में 17 लाख से ज्यादा लाभार्थियों को आटा या गेहूं उनके घर तक पहुंचाया जाएगा। अब पंजाब में राशन कार्ड धारकों को अपने हक का राशन लेने के लिए राशन की दुकान के सामने लाइनों में नहीं लगना पड़ेगा, राशन की दुकानदारों की बदतमीजी नहीं सहनी पड़ेगी, क्योंकि पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार की योजना को रोकने के लिए एलजी साहब नहीं है, क्योंकि पूर्ण राज्य होने के नाते पंजाब में केंद्र सरकार की दखल नहीं है। इसलिए पंजाब में रहने वाले हर गरीब व्यक्ति को सम्मान पूर्वक तरीके से उनका राशन का घर पर मिलेगा।

आतिशी ने दिल्ली वासियों से अपील करते हुए कहा कि अगले महीने लोकसभा चुनाव की घोषणा हो जाएगी और अप्रैल-मई में चुनाव का संपन्न हो जाएगा। अगर दिल्ली के लोग चाहते हैं कि दिल्ली में भी पंजाब की तरह घर-घर राशन योजना लागू होनी चाहिए, अगर दिल्ली के लोग चाहते हैं कि उनको भी राशन की दुकान के सामने लाइन नहीं लगानी पड़े, अगर दिल्ली वाले चाहते हैं कि उनको भी राशन की दुकान वाले की बदतमीजी नहीं सहनी पड़े, तो आने वाले लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को वोट दें, ताकि दिल्ली की आवाज भी संसद तक पहुंचे।

ये है घर-घर राशन योजना

घर-घर राशन योजना का मतलब है कि जिस तरह से हम अमेजॉन, जोमैटो या स्वीगी से आर्डर करते हैं तो हमारा सामान या खाना हमारे घर पहुंच जाता है, ठीक उसी तरह से जो भी रोशन राशन कार्ड धारक होम डिलीवरी ऑफ राशन के लिए साइन-अप करेगा तो उनका पूरा राशन, जिसमें चावल, गेहूं या आटा और चीनी पूरा पैक होकर उनके घर तक पहुंचाया जाएगा। इसके बाद एक राशन कार्ड होल्डर को कहीं पर जाने की जरूरत नहीं होगी। बार-बार अपना काम छोड़कर के राशन लेने के लिए लाइन में खड़ा नहीं होना पड़ेगा। राशन की दुकान वाले की गाली गलौज सुनने की जरूरत नहीं होगी। इस योजना के तहत कार्ड धारकों को उनके हक का राशन एक सम्मानपूर्वक तरीके से उनके घर में दिया जाएगा।

दिल्ली में बड़ा हादसा: मौज-मस्ती और रफ्तार ने बुझा दिए दो घर के 'चिराग', लालकिले के पास से गुजर रहे थे तीन यार

मोहल्ले में इनके रिश्तेदार छामू के बेटे जुहेब का वलीमा था। कार्यक्रम देर रात तक जारी थी। इस बीच देर रात को तीनों घूमने जाने की बात कर बरातघर से निकल गए। स्कूटी तौहीद चल रहा था। कबूतर मार्केट के सामने वह हादसे का शिकार हो गए।

नई दिल्ली। मौज-मस्ती और रफ्तार ने दो परिवारों की खुशियां छीन लीं। लाल किले के पास हुए हादसे में जिंदगी के लिए जंग लड़ रहे तौहीद की सलामती के लिए परिजन दुआएं कर रहे हैं। जैद और अब्दुल्लाह की मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने रविवार को पोस्टमार्टम कराकर दोनों के शव परिजनों के हवाले कर दिए गए। बाद में उनको सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया।

जैद के चाचा मोहम्मद अफजाल ने बताया कि परिवार 2025, मोहल्ला कब्रिस्तान, तुर्कमान गेट पर रहता है। जैद के परिवार में उसके पिता मो. अखलाक, मां मुर्ससलीना, एक बड़ा भाई मो. आकिफ और दो बहनें बरिशा और अलिशा हैं। परिवार का कई पीढ़ियों से मुगलई खाने बनाने का काम है। उनके पूरे मोहल्ले में सभी बावर्ची हैं।

वहीं, अब्दुल्लाह परिवार के साथ 2017, मोहल्ला कब्रिस्तान में रहता था। इसके परिवार में पिता मो. जावेद, मां शाजिया, बड़ा भाई अल्ला वाला, एक बहन है। वहीं, तौहीद के परिवार में पिता मो. नूरी और एक बड़ा भाई अजहर है। तौहीद की मां की दो साल पहले बीमारी से मौत हो गई थी। रात को तीनों नाबालिगों के परिवार शादी में थे।

मोहल्ले में इनके रिश्तेदार छामू के बेटे जुहेब का वलीमा था। कार्यक्रम देर रात तक जारी थी। इस बीच देर रात को तीनों घूमने जाने की बात कर बरातघर से निकल गए। स्कूटी तौहीद चल रहा था। कबूतर मार्केट के सामने वह हादसे का शिकार हो गए। अफजाल ने बताया कि उनके मोबाइल पर रात 1.30 बजे अस्पताल से कॉल आया। तीनों नाबालिगों को एक कैब चालक किसी राहगीर के साथ अस्पताल लेकर पहुंचा था।

डीडीए के फ्लैट खरीदने के लिए एक और मौका, जानिए क्या है योजना और किसे मिलेगी छूट

लोकनायकपुरम के एमआईजी फ्लैटों को पहले आओ पहले पाओ स्कीम के माध्यम से बेचा जाएगा। वहीं नरेला सेक्टर-ए1 व ए4 में एमआईजी फ्लैटों को डिस्काउंट पर बेचने के लिए पहले आओ पहले पाओ स्कीम के तहत 440 से अधिक फ्लैट ऑफर किए जाएंगे

नई दिल्ली। डीडीए की पहले की योजनाओं की तरह दिवाली विशेष आवास योजना-2023 में भी सभी फ्लैट बिक नहीं पाए। ई-नीलामी योजना में 2093 फ्लैट शामिल किए थे, लेकिन 812 फ्लैट ही लोगों ने खरीदने में दिलचस्पी दिखाई। लोगों ने 744 फ्लैट ही बुक कराए। ऐसे में डीडीए ने एक बार फिर ई-नीलामी करने का फैसला किया है। डीडीए के अनुसार, द्वारका सेक्टर-19 बी और सेक्टर-14 के बचे हुए फ्लैटों को बेचने के लिए ई-नीलामी होगी।

लोकनायकपुरम के एमआईजी फ्लैटों को पहले आओ पहले पाओ स्कीम के माध्यम से बेचा जाएगा। नरेला सेक्टर-ए1 व ए4 में एमआईजी फ्लैटों को डिस्काउंट पर बेचने के लिए पहले आओ पहले पाओ स्कीम के तहत 440 से अधिक फ्लैट ऑफर किए जाएंगे, जिनमें आम जनता के लिए 15 प्रतिशत की छूट और केंद्र सरकार, राज्य सरकार और स्वायत्त निकायों के कर्मचारियों को 25 प्रतिशत छूट होगी।

'अधिकारियों का आदेश है कोई जेवर न पहनकर निकले' इतना कह युवक ने गहने उतरवा थमाई थैली... खोलते ही उड़े होश

आरोपी ने पीड़िता को कड़े और अंगूठी उतारकर कागज में रखने के लिए कहा। इस दौरान वहां से एक युवक गुजर रहा था, जिसे बदमाशों ने रोका और उसे भी सोने की चेन को उतारकर रखने के लिए कहा था। बाद में सच सामने आने पर उसके होश उड़ गए।

नई दिल्ली। दिल्ली के मौर्या एन्क्लेव में बैंक से सेवानिवृत सुनीता अरोड़ा (62) से पुलिसकर्मी बनकर ठगी करने का मामला सामने आया है। इलाके में वारदात का डर दिखाकर दो बदमाश लाखों रुपये के गहने ले उड़े। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने ठगी का मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, रोहिणी सेक्टर-13 निवासी सुनीता स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से सेवानिवृत हैं। उन्होंने बताया कि 9 फरवरी की शाम वह गुजरांवाला टाउन से घर की ओर ऑटो से जा रही थीं। ऑटो के आउटर रिंग रोड फ्लाईओवर पर आते ही बाइक सवार दो युवकों ने ऑटो को रोका और खुद को पुलिसकर्मी बताते हुए लाइसेंस दिखाने के लिए कहा। एक युवक चालक को ऑटो के पीछे ले गया और दूसरे ने महिला के पास आकर बताया कि इलाके में वारदात होने से उन्हें गश्त के लिए लगाया गया है।

अधिकारियों ने निर्देश है कि कोई भी व्यक्ति इलाके में गहने पहनकर न घूमे। इसके बाद उसने पीड़िता को कड़े और अंगूठी उतारकर कागज में रखने के लिए कहा। इस दौरान वहां से एक युवक गुजर रहा था, जिसे बदमाशों ने रोका और उसे भी सोने की चेन को उतारकर रखने के लिए कहा। पीड़िता ने भी सोने के तीन कड़े और दो अंगुठियां उतारकर दे दीं। घर पहुंचने पर पीड़िता ने जब कागज खोला तो उसने नकली गहने निकले। पीड़िता ने तुरंत घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने पीड़िता का बयान दर्ज कर मामला दर्ज कर लिया।

हत्या का सनसनीखेज खुलासा: शादी के दौरान रंजिश में किया गया था दो युवकों का कत्ल, तीन गिरफ्तार

पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल पिस्टल व दो कारतूस बरामद कर लिए हैं। पुलिस ने गुरुवार तीनों को अदालत में पेश किया।

नई दिल्ली। दिल्ली के वेलकम में शादी के दौरान रंजिश में दो युवकों को गोली मारने की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस ने इस संबंध में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान मनीष शर्मा (21), करन सिंह (29) और साजन मनीष (32) के रूप में हुई है। हत्या के मामले में पुलिस को सोनू चावला की तलाश है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल पिस्टल व दो कारतूस बरामद कर लिए हैं। पुलिस ने गुरुवार तीनों को अदालत में पेश किया, जहां से इनको एक दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. जॉय टिर्की ने बताया कि चार फरवरी को वेलकम झील पार्क में संजय की बेटी का विवाह था। वहां पर वेलकम निवासी सुमित (29) और रिश्तेदार बुराड़ी निवासी राहुल (38) पहुंचे थे। इस बीच वहां आरोपियों ने पहले सुमित की पिटाई की। बाद में अक्षत ने पिस्टल निकालकर गोली चला दी। एक गोली सुमित की गर्दन को छूती हुई निकली, जबकि दूसरी गोली राहुल के सीने में जा लगी। इलाज के दौरान बुधवार को राहुल की मौत हो गई। अब पुलिस ने गोली चलाने के आरोप में तीनों को दबोच लिया हैं। चौथे आरोपी सोनू चावला की पुलिस को तलाश है। छानबीन के दौरान पुलिस को पता चला कि करन और सुमित के बीच रंजिश थी।

रविवार को सुबह के समय हल्का व मध्यम स्तर का कोहरा छाया। आठ बजे के बाद से मौसम साफ होने लगा, वहीं दोपहर में अच्छी धूप खिली।

खिली धूप ने दिन में चढ़ाया पारा, शाम सर्द हवा ले आई ठंड; दिल्ली में बारिश के आसार

सोमवार को दिन के समय आसमान साफ रहेगा। वहीं शाम और रात के समय आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय धुंध या हल्का कोहरा छा सकता है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। खिली धूप से दिन में पारा चढ़ रहा है लेकिन शाम को सर्द हवा ठंड ले आती है। शनिवार रात को चली ठंडी हवाओं से रविवार सुबह मध्यम स्तर का कोहरा छाया। सुबह करीब नौ बजे ठंडक रही उसके बाद मौसम कुछ साफ हुआ और दोपहर बाद अच्छी धूप खिली। धूप के कारण रविवार को दिन का तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक रहा।

प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र, नई दिल्ली के मुताबिक रविवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 24.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जो सामान्य से एक डिग्री अधिक रहा। वहीं न्यूनतम तापमान सात डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जो सामान्य से तीन डिग्री कम रहा। शनिवार को मंगेशपुर इलाका सबसे ठंडा रहा। यहां का अधिकतम तापमान सबसे कम 21.2 डिग्री दर्ज किया गया।

रविवार को सुबह के समय हल्का व मध्यम स्तर का कोहरा छाया। आठ बजे के बाद से मौसम साफ होने लगा, वहीं दोपहर में अच्छी धूप खिली। दिन में उत्तर और उत्तर-पश्चिमी दिशाओं से चार से छह किमी प्रति घंटे की गति से हल्की ठंडी हवाएं चली। सोमवार को दिन के समय आसमान साफ रहेगा। वहीं शाम और रात के समय आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय धुंध या हल्का कोहरा छा सकता है। इस दौरान अधिकतम तापमान 25 डिग्री व न्यूनतम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है।

दिल्ली में 17 फरवरी तक सुबह के समय हल्की कोहरा या धुंध छाए रहने का अनुमान है। साथ ही 14 फरवरी को हल्की बारिश के आसार बन रहे हैं। मौसम साफ रहने के कारण दिन के समय तापमान कुछ गर्म होगा। अनुमान है कि अधिकतम तापमान बढ़कर 26 डिग्री तक पहुंच सकता है।

मेटल निकालने के लिए सीवर में घुसे दो लोगों फिर नहीं निकले

मरने वालों की शिनाख्त इंद्रलोक जेजे कलस्टर निवासी मोहम्मद शहीद और नांगलोई निवासी रवि के रूप में हुई। छानबीन करने पर पता चला कि दोनों मृतक पिछले पांच साल से सीवर में घुसकर औद्योगिक इलाके में स्थित फैक्टरियों से निकलने वाले कचरे को बाहर निकालते थे।

नई दिल्ली। दिल्ली के केशवपुरम इलाके में रविवार दोपहर मेटल निकालने के लिए सीवर में घुसे दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान मोहम्मद शहीद (47) और रवि (27) के रूप में हुई है। पुलिस ने सीवर में जहरीली गैस के चपेट में आने से इनकी मौत की आशंका जताई है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो पाएगा।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि रविवार दोपहर करीब 12.44 बजे पुलिस को सूचना मिली कि लारेंस रोड औद्योगिक इलाके में दो लोग सीवर में घुसे थे लेकिन बाहर नहीं निकले है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी दमकल विभाग को दी। सूचना मिलते ही दमकल कर्मी मौके पर पहुंच गए। सूचना देने वाले एक फैक्टरी के सिक्योरिटी गार्ड ने बताया कि दो लोग मेटल की तलाश करने के लिए सीवर में घुसे थे, लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद वह बाहर नहीं निकले हैं। दमकल कर्मियों ने सीवर में घुसे लोगों की तलाश शुरू की और कुछ देर में दोनों को बाहर निकाला। दोनों की मौत हो चुकी थी। छानबीन करने के बाद पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए बाबू जगजीवन राम अस्पताल में रखवा दिया।

मेटल बेचकर करते थे गुजारा

मरने वालों की शिनाख्त इंद्रलोक जेजे कलस्टर निवासी मोहम्मद शहीद और नांगलोई निवासी रवि के रूप में हुई। छानबीन करने पर पता चला कि दोनों मृतक पिछले पांच साल से सीवर में घुसकर औद्योगिक इलाके में स्थित फैक्टरियों से निकलने वाले कचरे को बाहर निकालते थे। फिर उसने से मेटल को छानकर निकालते थे। मेटल को इकट्ठा करने के बाद उसे बेचकर अपने परिवार का पालन पोषण करते थे। बताया जा रहा है कि इस इलाके में सोने के चेन भी बनाने की फैक्टरियां भी हैं।

रामोत्सव का जश्न मनाने पर की गई व्यापारी के बेटे की हत्या, शव को तलाशने में लगाए गए 50 से ज्यादा पुलिसकर्मी

परिवहन विशेष न्यूज

स्वजन ने कहा है कि भ्रष्ट पुलिस सिस्टम वैभव का शव तलाशन में नाकाम साबित हो रहा है। पुलिस के खिलाफ लगातार चौथे दिन व्यापारियों का धरना प्रदर्शन जारी रहा। वहीं स्वजन व व्यापारियों के समूह ने शनिवार को पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह से मुलाकात की। उन्होंने हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। हालांकि मुलाकात के बाद भी व्यापारियों ने धरना प्रदर्शन समाप्त नहीं किया है।

दनकौर। व्यापारी अरूण सिंघल के बेटे वैभव सिंघल की हत्या के मामले में नया मोड़ आ गया है। सोशल मीडिया पर आरोप लगाए गए है कि 22 जनवरी को रामोत्सव का जश्न मनाने पर 30 जनवरी को वैभव की हत्या की गई।

स्वजन बोले- भ्रष्ट पुलिस वैभव का शव तलाशने में नाकाम

वैभव की हत्या करने वाले आरोपित दूसरे समुदाय के है। इससे व्यापारियों में आक्रोश है। व्यापारियों ने पुलिस के खिलाफ बिगुल बजा दिया है। स्वजन ने कहा है कि भ्रष्ट पुलिस सिस्टम वैभव का शव तलाशन में नाकाम साबित हो रहा है।

पुलिस के खिलाफ लगातार चौथे दिन व्यापारियों का धरना प्रदर्शन जारी रहा। वहीं, स्वजन व व्यापारियों के समूह ने शनिवार को पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह से मुलाकात की। उन्होंने हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। हालांकि मुलाकात के बाद भी व्यापारियों ने धरना प्रदर्शन समाप्त नहीं किया है।

शव को गंग नहर में फेंकने की बात

दरअसल, घटना के बाद पुलिस ने आरोपितों को तो गिरफ्तार किया, लेकिन वैभव का शव अभी तक बरामद नहीं हो पाया है। शव को बरामद करने के लिए 50 अतिरिक्त पुलिसकर्मी लगाए गए है। आरोपितों ने हत्या करने के बाद शव को गंग नहर में फेंकने की बात पुलिस पूछताछ में कही है।

चार दिन से बाजार बंद

पुलिस की कार्यशैली से अंसुष्ट व्यापारी चार दिन से बाजार बंद कर धरना प्रदर्शन कर रहे है। अब व्यापारी के साथ क्षेत्र के लोग भी धरने में पहुंच रहे है। हालांकि पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने आश्वासन दिया है कि मामले को फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलवाकर हत्यारोपितों को सख्त सजा दिलाई जायेगी।

ग्रेटर नोएडा के जगत फार्म के व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने बताया कि यदि जल्द ही पुलिस शव को तलाश नहीं पाती है तो 12 फवरी के बाद आंदोलन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री को घटना से कराया अवगत

प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने बिलासपुर में हुई घटना के संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अवगत कराया। नंदी ने पीड़ित पक्ष को आश्वस्त किया है कि आरोपितों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई होगी कि उसकी सात पुश्तें याद रखेंगी। घटना के बाद से वैश्य समाज में रोष है।

स्वजन बोले, चरित्र हनन कर रही पुलिस

धरने पर बैठे स्वजन ने कहा है कि पुलिस वैभव का चरित्र हनन करने में जुटी है। पुलिस हर बार कह रही है कि वह माज को ब्लैकमेल कर रहा था।

स्वजन ने पुलिस के इस दावे को झूठा करार देते हुए कहा है कि पुलिस खुद सख्त कार्रवाई नहीं कर पा रही है। दस दिन बरती गई लापरवाही को छिपाने के लिए गलत आरोप लगाए जा रहे है। स्वजन का यह भी आरोप है कि घटना में कई अन्य लोग भी शामिल है जिनको पुलिस का संरक्षण है। पुलिस उनको बचा रही है।

यह है मामला

बिलासपुर के व्यापारी अरूण सिंघल के बेटे वैभव का 30 जनवरी को अपहरण कर उसके ही दोस्त माज पठान ने गला दबाकर हत्या कर दी थी।

पुलिस ने दावा किया कि माज की महिला मित्र के कुछ फोटो वैभव के मोबाइल में थे। फोटो डिलीट करने को लेकर विवाद शुरू हुआ और माज ने वैभव की हत्या कर दी थी। बुधवार को पुलिस ने माज को गिरफ्तार किया था। पुलिस मुठभेड़ में माज को गोली लगी थी।

शव को तलाश करने की कोशिश लगातार जारी है। पुलिस द्वारा मामले में सख्त कार्रवाई की जा रही है।

– अशोक कुमार, एडिशनल डीसीपी ग्रेटर नोएडा

रबूपुरा कस्बे के एक मकान में गैस सिलेंडर से लगी आग, चार लोग झुलसे

ऊपरी मंजिल में फंसे धीरज शर्मा उनकी पत्नी आशा पुत्री रिया व पुत्र विराट आग की लपटो में घिरकर झुलस गए। जिन्हें ग्रामीणों ने अपनी जान पर खेल कर बाहर निकाल। सभी को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आग की चपेट में आकर घर में रखे बेड सोफा फ्रिज वाशिंग मशीन सहित करीब 5 लाख रुपए का सामान जलकर राख हो गया।

ग्रेटर नोएडा। रबूपुरा कस्बे के मोहल्ला शहीद नगर में शनिवार शाम एक घर में गैस सिलेंडर में रिसाव की वजह से आग लग गई। पूरा घर आग की लपटों से घिर गया। आग में घिरे पूरे परिवार को ग्रामीणों ने बड़ी मुश्किल से बाहर निकाला। हादसे में दो बच्चे एक महिला व एक पुरुष आग से बुरी तरह झुलस गए। उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला शनिवार देर रात का है। रविवार को तहसील प्रशासन की टीम नुकसान का आकलन करने के लिए घटनास्थल पर पहुंची।

बीजेपी नेता पर मुकदमे से गुस्साए भाजपाइयों का मोदीनगर थाने पर हंगामा, पुलिस के खिलाफ की जमकर

भाजपा नेता व पूर्व चेयरमैन के बेटे मयंक शर्मा पर हुए मुकदमे से नाराज भाजपाइयों ने रविवार को मोदीनगर थाने पर हंगामा किया। कोतवाल का घेराव करते हुए पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। साथ ही कहा कि पुलिस ने दूसरे पक्ष से सांठगांठ कर मुकदमा दर्ज किया है। जबकि मयंक घटना वाले दिन मौके पर नहीं था।

गाजियाबाद। भाजपा नेता व पूर्व चेयरमैन के बेटे मयंक शर्मा पर हुए मुकदमे से नाराज भाजपाइयों ने रविवार को मोदीनगर थाने पर हंगामा किया। कोतवाल का घेराव करते हुए पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

साथ ही कहा कि पुलिस ने दूसरे पक्ष से सांठगांठ कर मुकदमा दर्ज किया है। जबकि, मयंक घटना वाले दिन मौके पर नहीं था। पुलिस ने निष्पक्ष जांच कराने का आश्वासन देकर उन्हें शांत किया। दो दिन पहले ही हरियाणा डिस्ट्रली लिमिटेड की तरफ से मयंक के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है।

आरोप है कि मयंक ने उनकी जमीन पर कब्जा किया है। वहां लगा बोर्ड व दीवार भी तोड़ दी गई। विरोध पर कर्मचारियों के साथ मारपीट की गई। मामले में पुलिस कमिश्नर के आदेश पर संबंधित धाराओं में मोदीनगर पुलिस ने केस दर्ज किया है।

60 एकड़ में फैली 12 अवैध कॉलोनियों में चला बुलडोजर, प्रशासन ने चलाया तोड़फोड़ अभियान

कॉलोनियां फरुखनगर के अलग–अलग क्षेत्रों में करीब 61.5 एकड़ में काटी जा रही थीं। अलग–अलग क्षेत्र में फैली 12 एकड़ में फैली अवैध कॉलोनियों पर बुलडोजर चलाया गया। बताया गया कि फरुखनगर पटौदी तथा मानेसर में अवैध कॉलोनियों की तोड़फोड़ कार्रवाई शेड्यूल की जा रही है। कुछ दिनों के ही भीतर सभी कॉलोनियों में जमीन मालिकों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के लिए पुलिस थाना एन्फोर्समेंट को सिफारिश भेजी जाएगी।

नया गुरुग्राम। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के जिला नगर योजनाकार एन्फोर्समेंट (डीटीपीई) की तरफ से शुक्रवार को फरुखनगर में कट रही 12 अवैध कॉलोनियों में बड़ी तोड़फोड़ की कार्रवाई की गई। यह कॉलोनियां फरुखनगर के अलग-अलग क्षेत्रों में करीब 61.5 एकड़ में काटी जा रही थीं।

फरूखनगर में छह से अधिक एफआईआर दर्ज

इसी सप्ताह डीटीपीई ने फरुखनगर इलाके की अवैध कॉलोनियों का निरीक्षण भी किया था। इसके तुरंत बाद ही तोड़फोड़ कार्रवाई भी की गई। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के निदेशक अमित खतरी के अवैध कॉलोनियों पर जीरो टोलरेंस को लेकर सख्त आदेश जारी है। विभाग की तरफ से बीते एक माह में फरुखनगर में कट रही अवैध कॉलोनियों को लेकर छह से अधिक एफआईआर भी दर्ज कराई गई है।

टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के डीटीपीई मनीष यादव के नेतृत्व में एनफोर्समेंट टीम ने शुक्रवार को सबसे पहले फरुखनगर पहुंची। यहां पर टीम ने 27 एकड़ में कट रही चार कॉलोनियों में चार निर्माणाधीन स्ट्रक्चर, 67 डीपीसी, छह प्लाटों की चारदीवारी, एक डीलर ऑफिस, तीन दुकानों पर पीला पंजा चलाते हुए 1400 मीटर रोड नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया। इसके बाद टीम सुल्तानपुर पहुंची जहां 11 एकड़ में तीन अवैध कॉलोनियां काटी जा रही थी।

रोड नेटवर्क भी किया ध्वस्त

इसमें टीम ने दो निर्माणाधीन स्ट्रक्चर, 16 डीपीसी और 400 मीटर रोड नेटवर्क पर पीला पंजा चलाया। यहां से टीम ने मुबारकपुर का रुख किया। इधर 17 एकड़ में कट रही तीन अवैध कॉलोनियों पर पीला पंजा चलाया। इसमें टीम ने तोड़फोड़ करते हुए एक निर्माणाधीन स्ट्रक्चर, दस डीपीसी, दो दुकानों समेत रोड नेटवर्क को जमींदोज कर दिया।

इसके बाद तोड़फोड़ दस्ता सैदपुर मोहम्मदपुर गांव पहुंचा जहां आधा एकड़ में कॉलोनी कट रही थी, टीम ने पीला पंजा चलाते हुए दो निर्माणाधीन स्ट्रक्चर, एक डीपीसी को मलबे में मिला दिया। इसके बाद टीम ने फर्रूखनगर के गांव दोबाधा में लगते कंट्रोल्ड एरिया में दो अवैध स्ट्रक्चरों को भी जमींदोज कर दिया। इस दौरान डीटीपीई मनीष यादव के अलावा, कार्रवाई में टाउन प्लानिंग के एटीपी दिनेश सिंह बतौर डयूटी मजिस्ट्रेट, जूनियर इंजीनियर नवीन, टाउन प्लानिंग के अन्य कर्मचारी समेत फरुखनगर थाने से पुलिस बल मौजूद रहा।

खोड़ा के लोकप्रिय विहार का मामला, एक घंटे में चार गाड़ियों की मदद से पाया काबू

खोड़ा के इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में लगी भीषण आग, नीचे गिरी छत; लाखों का सामान जलकर राख

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद के साहिबाबाद स्थित खोड़ा के लोकप्रिय विहार में शुक्रवार देर रात उस वक्त हड़कंप मच गया जब यहां एक इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि पूरा आसमान धुएं से भर गया था और शोरूम की छत भी नीचे गिर गई। गनीमत यह रही कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। दमकल की चार गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया।

गाजियाबाद। गाजियाबाद के खोड़ा थाना क्षेत्र के लोकप्रिय विहार में शुक्रवार मध्यरात्रि एक इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में आग लग गई। आग लगने के दौरान शोरूम की छत ढह गई।

जानकारी के अनुसार शोरूम की छत गर्डर-पटिया से बनी थी। सूचना पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने चार गाड़ियों की मदद से एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से कोई जनहानि नहीं हुई।

आग इतनी तेज थी कि धुएं से भर गया आसमान

शुक्रवार मध्यरात्रि वैशाली फायर स्टेशन में सूचना मिली कि लोकप्रिय विहार, खोड़ा में इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में आग लग गई है। सूचना मिलते ही फायर स्टेशन वैशाली से मुख्य अग्निशमन अधिकारी तीन गाड़ियां लेकर घटनास्थल पर पहुंचे।

मौके पर लोगों की भीड़ जमा थी। आग की तेज लपटें उठ रही थीं। इलेक्ट्रॉनिक सामान होने के कारण काला धुआं आसमान में छा गया था। इसके बाद एक गाड़ी साहिबाबाद से और मंगाई गई।

कड़ी मशक्कत से आग पर पाया काबू

आग इतनी तेज थी कि गर्डर-पटिया और टीनशेड नीचे गिर गया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। गनीमत रही की एक ही मंजिल बना था। वरना बड़ा हादसा हो जाता।

आग से शोरूम मालिक का काफी नुकसान हुआ है। सीएफओ राहुल पाल ने बताया कि बंद शोरूम में आग लगी थी। आग लगने के कारण शार्ट सर्किट माना जा रहा है। कोई जनहानि नहीं हुई है। हीट के कारण छत गिरी है। आसपास आग फैलने से पहले काबू कर लिया।

खाना बनाते समय सिलेंडर फटने से चार लोग झुलसे, दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती

घटना की सूचना मिलने पर तत्काल फायर ब्रिगेड और कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन फायर ब्रिगेड के आने से पूर्व ही स्थानीय लोगों द्वारा आग को बुझाया जा चुका था। घटना में बंगाल के गौरंग सरकार (39) उनकी पत्नी एक बेटी और पड़ोसी प्रदीप विश्वास झुलस गए। जिन्हें तत्काल जिला अस्पताल भर्ती कराया गया है। जहां से दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया।

नोएडा। सेक्टर 121 स्थित गढ़ी चौखंडी के एक घर में खाना बनाते समय सिलेंडर फटने से चार लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फेज 3 कोतवाली पुलिस केस मुताबिक गोरंग सरकार गढ़ी चौखंडी में परिवार सहित किराए के मकान में रहते है। रविवार सुबह खाना बनाते समय सिलेंडर आग लगने के बाद फट गया।

घटना की सूचना मिलने पर तत्काल फायर ब्रिगेड और कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन फायर ब्रिगेड के आने से पूर्व ही स्थानीय लोगों द्वारा आग को बुझाया जा चुका था। घटना में बंगाल के गौरंग सरकार (39), उनकी पत्नी, एक बेटी और पड़ोसी प्रदीप विश्वास झुलस गए। जिन्हें तत्काल जिला अस्पताल भर्ती कराया गया है। जहां से गौरंग सरकार व उसकी पत्नी को बेहतर इलाज के लिए दिल्ली सफदरजंग में भर्ती कराया गया है। पुलिस बल मौके पर मौजूद है। अन्य आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

भजन लाल शर्मा सरकार के बजट में दिखा प्रधानमंत्री मोदी का विजन

रमेश सर्राफ धमोरा

संविदा पर काम कर रही आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा सहयोगिन, सहायिकाओं के साथ ही अन्य संविदा कर्मियों तथा पंचायती राज व नगरीय निकायों के निर्वाचित जन प्रतिनिधियों को मिलने वाले मासिक भत्ते में भी 10 प्रतिशत बढ़ोतरी की घोषणा की गई है।

राजस्थान में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी द्वारा विधानसभा में पेश किए गए भाजपा सरकार के पहले लेखा अनुदान (अंतरिम बजट) में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन परिलक्षित हुआ है। यह बजट पूरी तरह से आगामी लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखकर लोक लुभावना बनाया गया है। हालांकि अंतरिम बजट होने के कारण इसमें अधिक घोषणायें नहीं की गई हैं। फिर भी बजट में ऐसी अन्य को बातों को शामिल किया गया है जिसका असर सीधे आम लोगों पर पड़ता है। विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कई गारंटी दी थी। प्रधानमंत्री मोदी की बहुत-सी गारंटीयों को इस बजट में शामिल किया गया है। अनुभव के हिसाब से उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने वित्तमंत्री के रूप में पहला बजट पेश किया था। मगर जिस तरह से उन्होंने बजट भाषण पढ़ा उसमें पूरा आत्मविश्वास झलक रहा था।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार का यह पहला बजट था। इस कारण सरकार को चुनाव के दौरान किए गए लोक लुभावने वायदों को बजट में शामिल किया जाना बहुत जरूरी था। उसी को ध्यान में रखते हुए उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अपने बजट में महिलाओं, बुजुर्गों, युवाओं, किसानों, व्यापारियों, धर्माचार्य को खुश करने के लिए बजट में कई तरह के प्रावधान किए हैं। प्रदेश में बुजुर्गों को अभी तक रोडवेज की बसों में 30 प्रतिशत किराए में छूट मिलती थी जिसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया है। इसी तरह वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली सामाजिक सुरक्षा मासिक पेंशन को एक हजार रूपये से बढ़कर 1150 रुपए प्रतिमाह कर दिया गया है।

उपमुख्यमंत्री ने बजट में 70 हजार युवाओं को नई नौकरी देने की घोषणा की है। इसके लिए राजस्थान लोक सेवा आयोग व राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के द्वारा भर्ती कैलेंडर भी बनाने की बात कही गई है। राजस्थान में पिछली अशोक गहलोत सरकार के खिलाफ सबसे बड़ा मुद्दा भर्ती परीक्षाओं में हो रही धांधली को लेकर था। गहलोत सरकार के कार्यकाल में 18 भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक होने के कारण परीक्षाओं को निरस्त करना पड़ा था। बाद में प्रशासनिक परीक्षाओं में भी कांग्रेस के कई बड़े नेताओं के परिजनों के चयन को लेकर विवाद हुआ था। जिसके चलते आम जन में गहलोत सरकार की नकारात्मक छवि बनी थी।

इस बात को ध्यान में रखकर भाजपा सरकार ने अपने पहले ही बजट में युवाओं को लुभाने के लिए एक साथ 70 हजार नयी भर्तियों की घोषणा की है। हालांकि भाजपा ने चुनाव से पहले राजस्थान लोक सेवा आयोग में आमूल चूल परिवर्तन करने की बात भी कही थी। मगर उस पर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हो पाई है। भाजपा को पता है कि प्रदेश के युवा मतदाताओं की बदौलत ही उनकी सरकार बन पाई है। ऐसे में उन्हें अपने साथ जोड़े रखना बहुत जरूरी है।

संविदा पर काम कर रही आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा सहयोगिन, सहायिकाओं के साथ ही अन्य संविदा कर्मियों तथा पंचायती राज व नगरीय निकायों के निर्वाचित जन प्रतिनिधियों को मिलने वाले मासिक भत्ते में भी 10 प्रतिशत बढ़ोतरी की घोषणा की गई है। प्रदेश में इसका बड़ा असर होगा तथा कई लाख लोगों को इस बढ़ोतरी का लाभ मिलेगा। जिससे आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को फायदा मिल पाएगा। अपने बजट भाषण के दौरान जब कांग्रेस नेता शांति धारीवाल बार-बार उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी को टोक रहे थे तो उन्होंने धारीवाल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह सिर्फ मर्दों का प्रदेश नहीं है। यहां पर महिलाएं भी बराबर की संख्या में हैं। उनके पास भी वोट की शक्ति है। इसी के चलते राज्य सरकार ने अपने अंतरिम बजट में महिलाओं के हित की कई योजनाओं की घोषणा कर उन पर पूरा फोकस रखा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में एक करोड़ नई लखपति दीदी बनाने की घोषणा की थी, उसी की तर्ज पर राजस्थान के बजट में भी 5 लाख परिवार की महिलाओं को लखपति दीदी योजना में शामिल कर उनकी आय को एक लाख से अधिक बढ़ाया जाएगा। गरीब परिवारों में कन्या के जन्म पर एक लाख रुपये का सेविंग बांड दिया जाएगा। प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना में प्रथम प्रसव पर 6 हजार रुपये दिए जाएंगे। जबकि अभी तक यह राशि पांच हजार थी। प्रदेश के सभी ब्लॉकों में एक-एक आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र की स्थापना की जाएगी। प्रदेश में महिलाओं के लिए हेल्प डेस्क बनेगी। सभी नारी निकेतनो में सीसीटीवी टीवी कैमरे लगाए जाएंगे।

किसानों के लिए भी बजट में कई घोषणाएं की गई हैं। पीएम किसान निधि में मिल रहे 6000 की राशि को बढ़ाकर 8000 रुपये प्रतिवर्ष किया गया है। इस तरह हर किसान को साल में 2000 रुपये का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि इसे आगे बढ़कर 12000 रुपये तक किया जाएगा। किसान क्रेडिट कार्ड की तर्ज पर गोपाल क्रेडिट कार्ड जारी किए जाएंगे चालू वर्ष में 5 लाख गोपालक परिवारों को एक लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त लोन उपलब्ध करवाया जाएगा। करीबन 33 लाख किसानों को विभिन्न फसलों के उच्च गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध करवाए जाएंगे। अल्पआय, लघु सीमांत ,बटाईदार किसानों, खेती और श्रमिकों के बच्चों को केजी से पीजी तक की मुफ्त शिक्षा दी जाएगी। हालांकि सरकारी स्कूलों में आठवीं तक पढ़ाई और 12वीं तक किताबें पहले से फ्री दी जा रही है। 9वीं से 12वीं तक आंशिक फीस ही ली जा रही है।

मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना का नाम बदलकर अब मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना किया गया है। जिसमें कैंसर का डे केयर इलाज को भी शामिल किया गया है। हाईवे पर हादसों में जान बचाने के लिए 25 एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस उपलब्ध करवाई जाएगी। प्रधानमंत्री ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में सूर्योदय योजना की घोषणा की थी। जिसके अंतर्गत राजस्थान के 5 लाख घरों पर रूफ टॉप सोलर पैनल लगाए जाएंगे। जिससे उन परिवारों के लोगों को 300 यूनिट तक प्रतिमा बिजली निःशुल्क मिल सकेगी। प्रदेश में मन्दिरों के उन्नयन पर 320 करोड़ रुपये खर्च किये जाने का प्रावधान किया गया है। इससे विभिन्न धर्माचार्यों का सरकार को समर्थन मिलेगा।

हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी सभी चुनावी जनसभाओं में प्रदेश में पेट्रोल, डीजल की अधिक कीमतों का विरोध करते हुए भाजपा सरकार बनने पर उन्हें कम करने का वायदा किया था। मगर राज्य सरकार के बजट में उस पर कोई प्रावधान नहीं किया गया है। जबकि प्रदेश के लोगों को अपने पड़ोसी राज्यों की तुलना में आज भी महंगी दरों पर पेट्रोल, डीजल खरीदना पड़ रहा है। इससे लोगों के मन में निराशा व्याप्त हुई है। प्रदेश के लोगों का कहना है कि राज्य सरकार को पेट्रोल, डीजल की कीमतों में अविलम्ब कमी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा करना चाहिए। जिससे आमजन को राहत मिल सकें। हालांकि सरकार ने चीनी व गुड़ से मंडी टैक्स हटाकर महंगाई कम करने का प्रयास किया है। इससे व्यापारिक वर्ग की एक पुरानी मांग पूरी हुयी है।

इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ़ इलेक्ट्रिक व्हीकल, आई- फीवा ने कोरियन डेलिगेशन को दिया भारत में निमंत्रण

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। लघु उद्योग भारती के मुख्य कार्यालय में फेडरेशन ऑफ़ इलेक्ट्रिक व्हीकल ने कोरियन डेलिगेशन को अपना प्रेजेंटेशन दिया जिसमें भारत में इलेक्ट्रिक व्हीकल के बढ़ते हुए स्तर पर किस तरह से मिलजुल कर भारत और कोरिया इलेक्ट्रिक व्हीकल के क्षेत्र में अपना-अपना योगदान देंगे और टेक्नोलॉजी के फील्ड में एक दूसरे से अपने-अपने नॉलेज को शेयर करेंगे। प्रोग्राम में आई- फीवा के लगभग 15 से ज्यादा अधिकारी मौजूद रहे और लघु उद्योग भारती के पूरे भारत के 50 से ज्यादा अधिकारियों ने इसमें भाग लिया, कोरिया डेलिगेशन के रिप्रेजेंटेटिव उत्तम किन ने अपने कंपनी का प्रजेंटेशन दिया और आई- फीवा को पूरा आश्वासन दिया है कि भारत में वह बहुत जल्द ही अपना एक प्रोडक्शन प्लांट लगाएगी जो कि संभवत दक्षिणी भारत में स्थित होगा। इस संगोष्ठी के बाद उत्तम किन अपने दक्षिण भारत भ्रमण पर निकल गए।

आई- फीवा के अध्यक्ष श्री डॉक्टर एस के सरोज और नेशनल प्रेसिडेंट डॉ राजीव मिश्रा ने अपने-अपने व्याख्यान में अपने फेडरेशन की सेवा के बारे में बताया और किस तरह से आई फीवा ने भारत के हर एक प्रदेश में अपना प्रतिनिधी नियुक्त किया है और क्षेत्र के अलावा भी हर एक फील्ड में स्पेशलाइज्ड लोगों को चुनकर उनको जिम्मेदारियां दी है।

डॉ.राजीव मिश्रा ने बताया कि आई फीवा बहुत ही जल्द मुंबई में अपना एक भव्य कार्यक्रम आयोजित करेगा। इस माध्यम से सभी संबंधित मैन्युफैक्चरर और डीलर्स को अपने साथ जुड़ने के लिए आमंत्रित करती है और जिसको भी जुड़ना है वह इसकी वेबसाइट www.fevaev.com पर जाकर वहां से संपर्क कर सकता है।

यह संगोष्ठी भारतीय इलेक्ट्रिक व्हीकल उद्योग के लिये एक मील का पत्थर साबित होगी, जिस पर अगली कार्यवाही 25 फरवरी को अपने कार्यालय में होगी।

मारुति सुजुकी की इन कारों पर मिल रहे हैं अच्छे डिस्काउंट, सेलेरियो और वेगन R सहित शामिल ये नाम

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी ने फरवरी 2024 के लिए अपने कई मॉडल्स पर डिस्काउंट देने की घोषणा की है। कंपनी ने Arena शोरूम के तहत बेची जाने वाली Alto K10, S-Presso, Celerio सहित कई गाड़ियों पर ऑफर मिल रहे हैं। इनमें कैश डिस्काउंट, एक्सचेंज ऑफर और स्पेशल कॉर्पोरेट बोनस शामिल हैं। आइए इनके बारे में जान लेते हैं।

Alto K10

ऑल्टो K10 पेट्रोल मॉडल पर 62,000 हजार रुपये की छूट मिल रही है। इसमें 40,000 रुपये का कैश बेनिफिट, 15,000 रुपये का एक्सचेंज ऑफर और 7,000 रुपये का कॉर्पोरेट डिस्काउंट शामिल है। वहीं, सीएनजी वर्जन पर 40,000 रुपये की छूट मिल रही है। इसमें 18,000 रुपये का कैश डिस्काउंट, 15,000 रुपये का एक्सचेंज ऑफर और 7,000 रुपये का कॉर्पोरेट डिस्काउंट शामिल है।

S-Presso

मारुति S-Presso पर छूट इसके पेट्रोल और सीएनजी वेरिएंट पर क्रमशः 61,000 रुपये और 39,000 रुपये है। पेट्रोल ट्रिम पर 40,000 रुपये का कैश डिस्काउंट, 15,000 रुपये का एक्सचेंज ऑफर और 6,000 रुपये का कॉर्पोरेट लाभ मिल रहा है। सीएनजी वेरिएंट 18,000 रुपये की नकद छूट के साथ आते हैं जबकि एक्सचेंज ऑफर और कॉर्पोरेट डिस्काउंट क्रमशः 15,000 रुपये और 6,000 रुपये पर समान रहते हैं।

WagonR

मारुति वैगनआर पर छूट 61,000 रुपये तक की छूट ऑफर की जा रही है। वैगनआर के पेट्रोल एएमटी वेरिएंट पर 40,000 रुपये की नकद छूट, 15,000 रुपये का एक्सचेंज ऑफर और 6,000 रुपये के कॉर्पोरेट डिस्काउंट का लाभ लिया जा सकता है।

मैनुअल वेरिएंट पर कुल छूट 56,000 रुपये है, जिसमें 30,000 रुपये का कैश डिस्काउंट, 20,000 रुपये का एक्सचेंज ऑफर और 6,000 रुपये का कॉर्पोरेट डिस्काउंट है। वैगनआर सीएनजी ट्रिम्स पर कुल लाभ 36,000 रुपये तक है।

इसके अलावा सेलेरियो, स्विफ्ट और Dzire पर भी ऑफर दिए जा रहे हैं।

अपकमिंग कॉम्पेक्ट SUVs: कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में जल्द एंट्री करेंगी ये दमदार गाड़ियां, Maruti और Kia सहित शामिल ये नाम

इस लेख में कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट की कुछ ऐसी गाड़ियों के बारे में बताने वाले हैं। जिन्हें निकट भविष्य में भारतीय मार्केट में लॉन्च किया जाएगा। आगामी कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में मारुति और किआ सहित कई ब्रांड्स की गाड़ी शामिल हैं। यहां तक कि स्कोडा तो भारत में ही निर्मित करने का लक्ष्य रख रही है। आइए इनके बारे में जानते हैं।

नई दिल्ली। सब कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट तेजी से विस्तार कर रहा है। यही वजह है कि एसयूवी की बाजार में बढ़ती हिस्सेदारी कार निर्माताओं को भारत में नए मॉडल पेश करने के लिए प्रेरित कर रही है। आगामी समय में कई गाड़ियों को घरेलू बाजार में पेश किया जाएगा। यहां कुछ ऐसी गाड़ियां बताने वाले हैं जिन्हें निकट भविष्य में लॉन्च किए जाने की उम्मीद है।

Kia Clavis

किआ इस गाड़ी को अगले वर्ष किसी भी समय भारतीय बाजार में उतार सकती है। इस आगामी गाड़ी को ब्रांड के लाइनअप में सोनेट और सेल्टोस के बीच स्थित किया जाएगा। लॉन्च से पहले कई बार इसके टेस्ट म्यूल भी सामने आ चुके हैं। Clavis का आंतरिक रूप से कोडनेम AY है। आगामी किआ कॉम्पैक्ट एसयूवी ईवी और पारंपरिक रूप से संचालित दोनों रूपों में पेश की जा सकती है।

New Skoda Compact SUV

कार निर्माता स्कोडा इन दिनों भारतीय मार्केट के लिए एक गाड़ी पर काम कर रही है। इसे कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में लॉन्च किया जाएगा। चेक कार निर्माता अपनी आगामी कॉम्पैक्ट एसयूवी के साथ 90 प्रतिशत स्थानीयकरण का लक्ष्य रख रहा है। इसे घरेलू के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निर्यात के लिए भारत में निर्मित किया जाएगा। इस गाड़ी को MQB A0 IN प्लेटफॉर्म पर तैयार किया जाएगा।

Maruti Suzuki Micro SUV

घरेलू वाहन निर्माता मारुति सुजुकी भारतीय बाजार में एक नई एसयूवी लॉन्च करने की योजना पर काम कर रही है। इसे आगामी वर्ष में लॉन्च किया जा सकता है। नई माइक्रो-एसयूवी ब्रांड के लाइनअप में ब्रेजा के नीचे स्थित होगी।

Mahindra XUV300 Facelift

महिंद्रा XUV300 फेसलिफ्ट को कई महत्वपूर्ण बदलावों के साथ निकट भविष्य में लॉन्च किया जाएगा। इस गाड़ी में मौजूदा मॉडल की तुलना में कई कई नए फीचर्स भी मिलने की उम्मीद है।

नेक्सन, अल्ट्रॉज और हैरियर सहित टाटा की इन गाड़ियों पर मिल रहा है डिस्काउंट, कम दाम में खरीदने का मौका

फरवरी 2024 में टाटा के कई मॉडल्स पर शानदार ऑफर दिए जा रहे हैं। मिल रहे ऑफर्स में कैश बेनिफिट्स और एक्सचेंज छूट मुख्यतौर पर शामिल हैं। Nexon Altroz और Harrier सहित Tata की कई गाड़ियों पर ऑफर दिए जा रहे हैं। अगर आप इस दौरान गाड़ी खरीदते हैं तो अच्छी बचत हो सकती है। आइए इनके बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। साल 2024 टाटा मोटर्स के लिए अब तक शानदार साबित हुआ है। जनवरी 2024 में कंपनी ने अब तक की सबसे अधिक पैसेंजर व्हीकल में मासिक बिक्री दर्ज की है। अब फरवरी माह को भी बिक्री के मामले में बेहतर करने के लिए कंपनी ने अपने कई मॉडल्स पर ऑफर देने की घोषणा की है। Nexon, Altroz और Harrier सहित Tata की कई गाड़ियों पर डिस्काउंट मिल रहा है।

टाटा के इन मॉडल्स पर मिल रहा डिस्काउंट

फरवरी 2024 में टाटा ने अपने कई मॉडल्स में ऑफर्स देने की जानकारी दी है। सफारी प्री फेसलिफ्ट को 1.25 लाख रुपये तक के डिस्काउंट के साथ लिया जा सकता है। इसमें 75,000 रुपये का कैश डिस्काउंट और 50,000 रुपये का एक्सचेंज डिस्काउंट शामिल है।

हैरियर प्री फेसलिफ्ट मॉडल पर भी 1.5 लाख रुपये तक का डिस्काउंट दिया जा रहा है। इसके अलावा टियागो MY 2023 पर 75,000 हजार रुपये तक के डिस्काउंट दिए जा रहे हैं। जिसमें 60,000 कैश डिस्काउंट और 15,000 रुपये का एक्सचेंज शामिल है।

Nexon प्री फेसलिफ्ट मॉडल को 40,000 हजार रुपये के कैश डिस्काउंट और 20,000 रुपये के एक्सचेंज ऑफर के साथ लिया जा सकता है। टोटल मिलाकर यह डिस्काउंट 60,000 रुपये हो जाता है।

वहीं, अल्ट्रोज पर भी फरवरी 2024 माह में डिस्काउंट दिया जा रहा है। इसमें अल्ट्रोज MY 2023 पर 45,000 हजार रुपये का टोटल डिस्काउंट मिल रहा है। जिसमें 35,000 हजार रुपये का कैश और 15,000 रुपये का एक्सचेंज बेनिफिट मिल रहा है।

टाटा अल्ट्रोज MY 2024 खरीदने वालों के पास भी सुनहरा मौका है। इस पर 15,000 रुपये के कैश बेनिफिट्स और 10,000 हजार रुपये के एक्सचेंज ऑफर मिल रहे हैं।

इसके अलावा भी टाटा की कई गाड़ियों पर ऑफर्स दिए जा रहे हैं। इनके बारे में अधिक जानकारी के लिए आप नजदीकी डीलरशिप से संपर्क कर सकते हैं।

फॉर्च्यूनर, इनोवा क्रिस्टा और हाइलक्स के लिए शुरू हुई डिलीवरी, इस वजह से कर दिया गया था बंद

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के द्वारा जारी किए गए एक बयान में कहा गया है कि डीजल इंजन निर्धारित भारतीय नियमों को पूरा करते हैं और एक बार फिर से हम भारत में इनोवा क्रिस्टा फॉर्च्यूनर और हिलक्स की डिलीवरी प्रक्रिया को शुरू कर रहे हैं। हमें अपने सम्मानित ग्राहकों को हुई असुविधा के लिए खेद है। आइए इसके बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (TKM) ने भारत में इनोवा क्रिस्टा, फॉर्च्यूनर और हिलक्स की डिलीवरी पर रोक लगा दी थी, ब्रांड के चुनिंदा डीजल इंजनों पर वैश्विक रोक के बाद कंपनी ने भारत में अस्थायी रूप से इनका डिस्पैच रोक दिया था। हालांकि, अब एक बार फिर से यूटिलिटी वाहनों को भारत में डिलीवरी के लिए उपलब्ध करवाना शुरू कर दिया है।

शुरू होगी टोयोटा की इन गाड़ियों की डिलीवरी

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के द्वारा जारी किए गए एक बयान में कहा गया है कि डीजल इंजन निर्धारित भारतीय नियमों को पूरा करते हैं और एक बार फिर से हम भारत में इनोवा क्रिस्टा, फॉर्च्यूनर और हिलक्स की डिलीवरी प्रक्रिया को शुरू कर रहे हैं। हमें अपने सम्मानित ग्राहकों को हुई असुविधा के लिए खेद है। एक ग्राहक केंद्रित संगठन के रूप में हम उच्चतम गुणवत्ता और सबसे सुरक्षित उत्पाद वितरित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इसलिए किया गया बंद

कंपनी ने कहा कि डीजल इंजन निर्धारित भारतीय नियमों को पूरा करते हैं। टोयोटा मोटर कॉर्पोरेशन ने पहले 29 जनवरी 2024 को वाहन परीक्षण में अनियमितताओं का पता चलने का खुलासा किया था, जिससे डीजल से चलने वाले वाहनों की बिक्री रोक दी गई थी। अनियमितताओं के बारे में पता करने के लिए टोयोटा के द्वारा एक कमेटी बनाई गई थी और उसी के आधार पर इनकी डिलीवरी फिर से शुरू हुई है।

इंजन

टोयोटा के डीजल इंजनों में 2.4 लीटर, 2.8 लीटर और 3.3 लीटर V6 शामिल हैं। 2.4 लीटर चार-सिलेंडर 2GD डीजल इंजन टोयोटा इनोवा क्रिस्टा को पावर देता है, जबकि 2.8 लीटर चार-सिलेंडर 1GD सीरीज डीजल फॉर्च्यूनर और हिलक्स मॉडल पर देखा जाता है। 3.3 लीटर F33A V6 डीजल टोयोटा लैंड क्रूजर 300 और लेक्सस LX 500d को पावर देता है।

किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देकर वाकई प्रधानमंत्री मोदी ने दिल जीत लिया

चौधरी चरण सिंह के सियासत में प्रवेश की बात की जाये तो चरण सिंह सबसे पहले 1937 में छपरौली से उत्तर प्रदेश विधानसभा के लिए चुने गए एवं 1946, 1952, 1962 एवं 1967 में विधानसभा में अपने निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

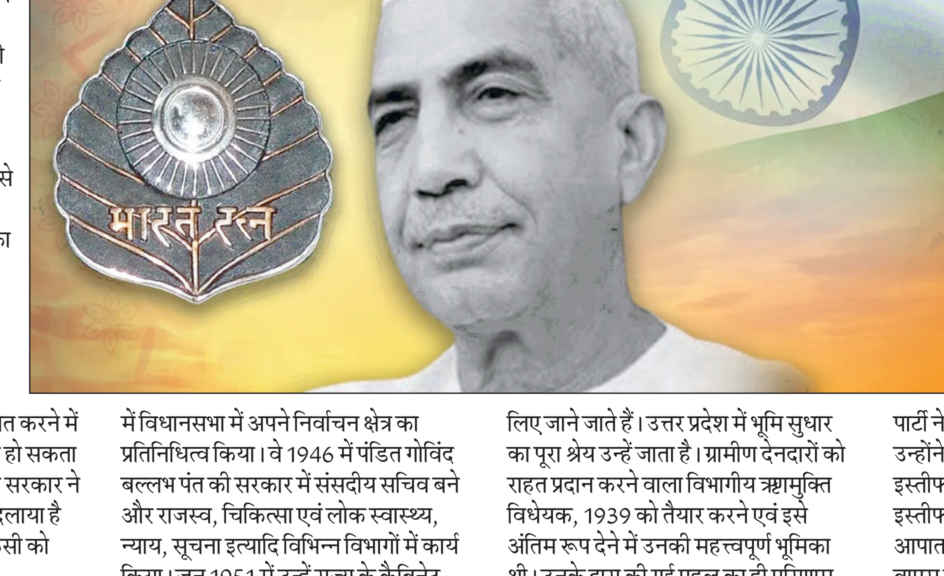

पूर्व प्रधानमंत्री और किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह, पूर्व पीएम नरसिम्हा राव और कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न की घोषणा में चौधरी चरण सिंह के बारे में यह जरूर कहा जा सकता है कि यह सम्मान उन्हें काफी पहले मिल जाना चाहिए था। चौधरी चरण सिंह का सम्मान देर से लिया गया एक फैसला है। चौधरी चरण सिंह 'भारत रत्न' के लिये पूरी तरह से योग्य थे। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के नूरपुर में चरण सिंह का जन्म 23 दिसंबर 1903 को एक ग्रामीण किसान परिवार में हुआ था। एक मध्यम वर्गीय जाट किसान परिवार में जन्मे चौधरी चरण सिंह लोकतंत्र के बड़े पैरोकार थे। चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न से सम्मानित करने में इतना समय क्यों लगा यह यक्ष प्रश्न हो सकता है। अब जबकि केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने चौधरी चरण सिंह को वह सम्मान दिलाया है जिसके वह हकदार थे तो इस पर किसी को एतराज नहीं होगा।

उन्होंने 1923 में विज्ञान से स्नातक किया एवं 1925 में आगरा विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त चौधरी चरण सिंह ने गाजियाबाद से एक अधिवक्ता के रूप में पेशे की शुरुआत की थी। चरण सिंह 1929 में मेरठ आ गये और बाद में कांग्रेस में शामिल हो गए। चौधरी चरण सिंह की विरासत अब उनके पौत्र जयंत चौधरी संभाल रहे हैं। वह राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष हैं। उन्होंने बाबा चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न मिलने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि आपने 'दिल जीत लिया'। चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न मिलने के खिलाफ कहीं से कोई आवाज तो नहीं उठ रही है, लेकिन भारत रत्न देने की टाइमिंग पर जरूर सवाल उठाया जा रहा है। ऐन चुनाव से पूर्व जब इस बात की चर्चा चल रही है कि चौधरी चरण सिंह के पौत्र जयंत चैधरी की राष्ट्रीय लोकदल के बीजेपी के साथ गठबंधन की चर्चा तेज है, तब इस तरह का फैसला सवाल तो खड़ा करता ही है।

चौधरी चरण सिंह के सियासत में प्रवेश की बात की जाये तो चरण सिंह सबसे पहले 1937 में छपरौली से उत्तर प्रदेश विधानसभा के लिए चुने गए एवं 1946, 1952, 1962 एवं 1967 में विधानसभा में अपने निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। वे 1946 में पंडित गोविंद बल्लभ पंत की सरकार में संसदीय सचिव बने और राजस्व, चिकित्सा एवं लोक स्वास्थ्य, न्याय, सूचना इत्यादि विभिन्न विभागों में कार्य किया। जून 1951 में उन्हें राज्य के कैबिनेट मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया एवं न्याय तथा सूचना विभागों का प्रभार दिया गया। बाद में 1952 में वह डॉ. सम्पूर्णानन्द के मंत्रिमंडल में राजस्व एवं कृषि मंत्री बने। अप्रैल 1959 में जब उन्होंने पद से इस्तीफा दिया, उस समय उन्होंने राजस्व एवं परिवहन विभाग का प्रभार संभाला हुआ था। इसी तरह से चौधरी चरण सिंह सी.बी. गुप्ता के मंत्रालय में गृह एवं कृषि मंत्री (1960) रहे। श्रीमती सुचेता कृपलानी के मंत्रालय में वे कृषि एवं वन मंत्री (1962-63) रहे। उन्होंने 1965 में कृषि विभाग छोड़ दिया एवं 1966 में स्थानीय स्वशासन विभाग का प्रभार संभाल लिया। कांग्रेस के विभाजन के बाद फरवरी 1970 में दूसरी बार वे कांग्रेस पार्टी के समर्थन से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। हालांकि राज्य में 2 अक्टूबर 1970 को राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया था।

कांग्रेस में रहकर भी समाजवाद को आगे बढ़ाने वाले चरण सिंह ने विभिन्न पदों पर रहते हुए उत्तर प्रदेश की सेवा की एवं उनकी ख्याति एक ऐसे कड़क नेता के रूप में हो गई थी जो प्रशासन में अक्षमता, भाई भतीजावाद एवं भ्रष्टाचार को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करते थे। प्रतिभाशाली सांसद एवं व्यवहारवादी चरण सिंह अपनी वाकपटुता एवं दृढ़ विश्वास के लिए जाने जाते हैं। उत्तर प्रदेश में भूमि सुधार का पूरा श्रेय उन्हें जाता है। ग्रामीण देनदारों को राहत प्रदान करने वाला विभागीय ऋणमुक्ति विधेयक, 1939 को तैयार करने एवं इसे अंतिम रूप देने में उनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। उनके द्वारा की गई पहल का ही परिणाम था कि उत्तर प्रदेश में मंत्रियों के वेतन एवं उन्हें मिलने वाले अन्य लाभों को काफी कम कर दिया गया था। वह 1959 से राष्ट्रीय मंच पर दिखाई देने लगे जब उन्होंने नागपुर कांग्रेस अधिवेशन में निर्विवाद नेता और प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू की समाजवादी और सामूहिक भूमि नीतियों का सार्वजनिक रूप से विरोध किया था। हालाँकि गुटों से भरी उत्तर प्रदेश कांग्रेस में उनकी स्थिति कमजोर हो गई थी, लेकिन यही वह समय था जब उत्तर भारत में विभिन्न जातियों के मध्यम से किसान समुदायों ने उन्हें अपने प्रवक्ता और बाद में अपने निर्विवाद नेता के रूप में देखना शुरू कर दिया। यह भी ध्यान देने योग्य है कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस के भीतर अपनी स्पष्ट नीतियों और मूल्यों को व्यक्त करने की उनकी क्षमता ने उन्हें अपने सहयोगियों से अलग खडा किया। इस अवधि के बाद, चरण सिंह 1 अप्रैल 1967 को कांग्रेस से अलग हो गए, विपक्षी दल में शामिल हो गए और यूपी के पहले गैर-कांग्रेसी मुख्यमंत्री बने। यह वह समय था जब 1967 से 1971 तक भारत में गैर-कांग्रेसी सरकारें एक मजबूत ताकत थीं। जनता गठबंधन के एक प्रमुख घटक भारतीय लोक दल के नेता के रूप में 1977 में जयप्रकाश नारायण की पसंद मोरारजी देसाई के प्रधानमंत्री बनने की उनकी महत्वाकांक्षा से उन्हें निराशा हुई।

1977 के लोकसभा चुनावों के दौरान जब बिखरा हुआ विपक्ष चुनाव से कुछ महीने पहले जनता पार्टी के बैनर तले एकजुट हुआ, जिसके लिए चौधरी चरण सिंह 1974 से लगभग अकेले ही संघर्ष कर रहे थे। उस समय वह राज नारायण के प्रयासों के कारण ही प्रधानमंत्री बने। राज नारायण जनता पार्टी-सेक्युलर के अध्यक्ष थे और उन्होंने चरण सिंह को प्रधानमंत्री के रूप में पदोन्नत करने का आश्वासन दिया था, जिस तरह उन्होंने उन्हें वर्ष 1967 में उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री बनने में मदद की थी। हालाँकि, जब इंदिरा गांधी की कांग्रेस पार्टी ने सरकार से समर्थन वापस ले लिया तो उन्होंने केवल 24 सप्ताह के कार्यकाल के बाद इस्तीफा दे दिया। चरण सिंह ने कहा कि उन्होंने इस्तीफा दे दिया क्योंकि वह इंदिरा गांधी के आपातकाल से संबंधित अदालती मामलों को वापस लेने के लिए ब्लैकमेल किए जाने के लिए तैयार नहीं थे। छह महीने बाद नये चुनाव हुए। चरण सिंह 1987 में अपनी मृत्यु तक विपक्ष में लोकदल का नेतृत्व करते रहे।

बतौर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में जोत अधिनियम, 1960 को लाने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। यह अधिनियम जमीन रखने की अधिकतम सीमा को कम करने के उद्देश्य से लाया गया था ताकि राज्य भर में इसे एक समान बनाया जा सके। देश में कुछ-ही राजनेता ऐसे हुए हैं जिन्होंने लोगों के बीच रह कर सरलता से कार्य करते हुए इतनी लोकप्रियता हासिल की हो। एक समर्पित लोक कार्यकर्ता एवं सामाजिक न्याय में दृढ़ विश्वास रखने वाले चरण सिंह को लाखों किसानों के बीच रहकर प्राप्त आत्मविश्वास से काफी बल मिलता रहा। चौधरी चरण सिंह ने अत्यंत साधारण जीवन व्यतीत किया और अपने खाली समय में वे पढ़ने और लिखने का काम करते थे। उन्होंने कई किताबें एवं रूचार-पुस्तिकाएं लिखीं जिसमें 'जमींदारी उन्मूलन', 'भारत की गरीबी और उसका समाधान', 'किसानों की भूसंपत्ति या किसानों के लिए भूमि, 'प्रिवेंशन ऑफ डिवीजन ऑफ होल्डिंग्स बिलो ए सर्टेन मिनिमम', 'को-ऑपरेटिव फार्मिंग एक्स-रे' आदि प्रमुख हैं।

संपादक की कलम से

राम मंदिर के तर्ज पर बनेगा छत्तीसगढ़ का कौशल्या मंदिर

अनन्या मिश्रा

जिस तरह से यूपी के अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हुआ है। ठीक उसी तरह से देश के 10 राज्यों में कई बड़े मंदिरों-तीर्थों के निर्माण कार्य और रेनोवेशन के लिए कई बड़े प्रोजेक्ट चल रहे हैं। इसमें करीब 17 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जाने हैं। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में जिस तरह से राम मंदिर का भव्य निर्माण हुआ है। ठीक उसी तरह से छत्तीसगढ़ में 32 करोड़ रुपए की लागत से कौशल्या मंदिर का रेनोवेशन किया जाना है। इस मंदिर का एक हिस्सा अयोध्या के राम मंदिर जैसा होगा। वहीं केरल के भगवान श्रीहरि विष्णु के 5 हजार साल पुराने थिरुनेली मंदिर का कायाकल्प हो रहा है। बता दें कि यह मंदिर केरल-कर्नाटक सीमा पर ब्रह्मगिरि पहाड़ियों में स्थित है। इसको 'दक्षिण का काशी' भी कहा जाता है।

थिरुनेली मंदिर के रेनोवेशन पर करीब 10 करोड़ रुपए खर्च होने की संभावना है। आपको बता दें कि कर्नाटक में 200 ऐतिहासिक स्मारकों और मंदिरों के रेनोवेशन किए जाने के लिए 20 साल से प्रोजेक्ट चल रहा है। इस रेनोवेशन के प्रोजेक्ट में 35.37 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। इसके अलावा देश के 10 राज्यों में कई बड़े मंदिरों-तीर्थों के निर्माण कार्य और रेनोवेशन के लिए कई बड़े प्रोजेक्ट चल रहे हैं। इसमें करीब 17 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जाने हैं।

कामाख्या देवी मंदिर परिसर

वाराणसी के काशी-विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर की तर्ज पर असम में स्थित कामाख्या देवी मंदिर परिसर में भी कॉरिडोर बनाए जाने की चर्चा की जा रही है। बटाद्रवा प्रोजेक्ट के लिए नौगांव में बजट तय हो चुका है। वहीं केंद्र सरकार के इस प्रोजेक्ट प्लान को 'असम दर्शन' के तहत तैयार किया गया है।

अयोध्या के बाद अब प्रयागराज में भी धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन की तैयारी शुरू हो चुकी है। बता दें कि अगले साल महाकुंभ से पहले प्रयागराज के कई मंदिरों का जीर्णोद्धार किया जाना है।

इसके साथ ही हिमाचल प्रदेश सरकार बिलासपुर में डूबे मंदिरो को पानी से बाहर निकालने की तैयारी में जुटी है। वहीं भाजपा प्रेजिडेंट जेपी नड्डा का बिलासपुर गृहनगर भी है। बिलासपुर में हेरिटेज और धार्मिक टूरिज्म को प्रोमट करने के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा जा चुका है।

वहीं ओडिशा सरकार पुरी में 800 साल पुराने जगन्नाथ मंदिर के साथ ही राज्य के सभी मंदिरों का कायाकल्प कर रही है। ओडिशा के हर गांव में 'जगन्नाथ संस्कृति' के संरक्षण का काम किया जाएगा। ओडिशा की ऐतिहासिकता और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और आर्किटेक्चर का डेपलपमेंट भी किए जाने का प्लान है।

साल 2023 में राजस्थान चुनाव से पहले गहलोत सरकार ने राज्य के दो मंदिरों का कायाकल्प किए जाने की घोषणा की थी। बता दें कि डूंगरपुर और जयपुर के इन मंदिरों का ऐतिहासिक महत्व है। 'भारत राष्ट्र समिति' की देखरेख में तेलंगाना राज्य के नरसिम्हा स्वामी मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया। यह मंदिर भगवान विष्णु के नृसिंह अवतार को समर्पित है। इस मंदिर में गंडभेरुंड नरसिम्हा, योगानंद नरसिम्हा, ज्वाला नरसिम्हा, उग्र नरसिम्हा और लक्ष्मी नरसिम्हा के दर्शन होते हैं।

ज्ञान

अभिवादन के समय क्यों दो बार लिया जाता है राम-राम का नाम, जानिए इसका धार्मिक महत्व

हिंदू संस्कृति और सभ्यता के मुताबिक किसी व्यक्ति से मिलने के दौरान या तो हाथ जोड़कर नमस्कार किया जाता है। या भगवान का नाम लेकर अभिवादन किया जाता है। आपने भी सुना होगा कि जब लोग एक-दूसरे से मिलते हैं।

हिंदू संस्कृति और सभ्यता के मुताबिक किसी व्यक्ति से मिलने के दौरान या तो हाथ जोड़कर नमस्कार किया जाता है। या भगवान का नाम लेकर अभिवादन किया जाता है। आपने भी सुना होगा कि जब लोग एक-दूसरे से मिलते हैं तो अभिवादन करते हुए राम-राम बोलते हैं। आपको बता दें कि अभिवादन का यह तरीका काफी ज्यादा पुराना है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जब अभिवादन के दौरान राम-राम दो बार क्यों बोला जाता है।

वहीं जब किसी अन्य भगवान का नाम लेकर अभिवादन करते हैं, तो उच्चारण में दो बार नाम क्यों लिया जाता है। अगर आपका जवाब नहीं है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि अभिवादन में दो बार नाम का उच्चारण करने के धार्मिक व ज्योतिष महत्व के बारे में।

अंक ज्योतिष की गणना

आपको बता दें कि दो बार राम नाम बोले जाने के पीछे असल में अंक ज्योतिष की गूढ़ गणना है। हिंदी शब्दावली के मुताबिक भगवान राम शब्द का पहला अक्षर यानी की 'र' 27वें नंबर पर आता है। वहीं इस शब्द का दूसरा अक्षर 'आ' मात्रा के रूप में 'र' के साथ लगता है। यह दूसरे स्थान पर और 'म' 25वें स्थान पर आता है।

ऐसे में जब आप इन दोनों शब्दों के नंबरों को जोड़ते हैं, जैसे- र (27)+आ (2)+म (25)= राम (54)।

ऐसे में एक बार राम का नाम लेने से 54 अंक का योग पूरा होता है। तो वहीं जब आप दो बार राम-राम बोलते हैं, तो 108 अंक होते हैं।

अगर आप सरल शब्दों में कहा जाए, तो जब अभिवादन में दो बार राम-राम बोला जाता है। तो इसकी अंक संख्या 108 हो जाती है। वहीं 108 मानकों की एक माला पर राम नाम के जाप के बराबर माना जाता है।

मोदी ने 'अबकी बार 400 पार' की बात यूँ ही नहीं कही है, इसके पीछे पूरा चुनावी गणित है

मोदी ने संसद के भीतर जब अपने चुनावी लक्ष्य की बात कही तो इसने भाजपा कार्यकर्ताओं को ऊर्जा से भर दिया, वहीं विपक्ष के सामने आत्मचिन्तन का अवसर प्रदत्त किया। कांग्रेस को 10 साल के दौरान अच्छा विपक्ष बनने का मौका मिला लेकिन इसमें वह पूरी तरह विफल रही।

ललित गर्ग

लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई चर्चा के समय विपक्ष की ओर से उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मविश्वास एवं कर्मठता से भरकर कहा कि मैं ऐसे आँकड़ों में नहीं पड़ता लेकिन मैं देख रहा हूं कि देश का मिजाज भारतीय जनता पार्टी को 370 और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 400 से ज्यादा सीटें पार करवाकर रहेगा। भाजपा इस बार चुनावों में 400 पार का नारा दे रही है। 2019 चुनावों में भाजपा ने 303 सीटें जीती थीं। निश्चित ही इतने बड़े आंकडे की घोषणा करने के पीछे नरेन्द्र मोदी की सकारात्मक सोच, विकास की राजनीति एवं राष्ट्र-विकास का संकल्प है, वहीं विपक्ष एवं कांग्रेस की नकारात्मक सोच, विरोध के लिए विरोध और विभाजनकारी रवैया उसके लगातार कमजोर होने के कारण हैं। प्रधानमंत्री ने सीटों का जो आकलन किया है, वह सिर्फ इस बात का संकेत है कि भाजपा अपने तीसरे कार्यकाल को लेकर पूरी तरह आश्वस्त है। उन्होंने उन अटकलों पर भी विराम लगा दिया, जिनमें कहा जा रहा है कि इंडिया गठबंधन के रूप एकजुट हुआ विपक्ष उनको चुनौती देगा, क्योंकि विपक्षी एकजुटता बिखर चुकी है।

मोदी ने संसद के भीतर जब अपने चुनावी लक्ष्य की बात कही तो इसने भाजपा कार्यकर्ताओं को ऊर्जा से भर दिया, वहीं विपक्ष के सामने आत्मचिन्तन का अवसर प्रदत्त किया। कांग्रेस को 10 साल के दौरान अच्छा विपक्ष बनने का मौका मिला लेकिन इसमें वह पूरी तरह विफल रही। स्वयं तो विफल रही ही, बल्कि विपक्ष में भी कुछ होनहार लोगों को उभरने नहीं दिया। कांग्रेस की नकारात्मक एवं संकीर्ण राष्ट्र-विरोधी राजनीति को देश की जनता महसूस करने लगी है। कांग्रेस किस तरह नकारात्मक राजनीति का शिकार है यह लोकसभा में ही तब देखने को मिला जब सदन में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चैधरी ने बालाकोट में की गई एयर स्ट्राइक पर सवाल खड़े किए। ध्यान रहे कि ऐसे ही सवाल पाकिस्तान खड़े करता रहा है। आखिर उन्हें पाकिस्तान के स्वरों में स्वर मिलाने एवं उसको रास आने वाला बयान देने की जरूरत क्यों पड़ गई? ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, वह बार-बार कभी पाकिस्तान तो कभी चीन की तरफदारी करती रही है। मोदी विरोध के नाम पर वह राष्ट्र-विरोध पर उतरती रही है।

प्रधानमंत्री मोदी के इस विश्वास एवं दृढ़ता की अनेक वजहें हैं। एक बड़ी वजह हाल ही में साल 2023 के विधानसभा चुनावों में भाजपा की शानदार जीत दर्ज करना भी है। विशेषकर मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ का परिणाम तो कल्पना से भी बाहर था। दूसरी वजह, रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा ने लोगों में एक नए जोश का संचार किया है। अंतरिम बजट में ही जिस तरह से आने वाले कुछ महीनों को लेकर नीतियों का एलान किया गया है, वह संकेत है कि भाजपा अपनी जीत को लेकर काफी आश्वस्त है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में मोदी के नेतृत्व में ऐतिहासिक एवं चमत्कारी जीत की संभावनाओं की और भी वजहें हैं, जिनमें प्रधानमंत्री के कार्यकाल की सुखद एवं उपलब्धिभरी प्रतिध्वनियां हैं, जैसे चांद एवं सूर्य पर विजय पताका फहरा देने के बाद धरती को स्वर्ग बनाने की मुहीम चल रही है, राष्ट्रीय जीवन में विकास की नयी गाथाएं लिखते हुए भारत को दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनाने की ओर अग्रसर करना है। भारत अब विश्व-गुरु भी बनने की ओर गतिशील है। गत वर्ष 9 एवं 10 सितम्बर को जी-20 देशों का महासम्मेलन भारत में सफलतापूर्वक सम्पन्न होना भी भारत की विश्व स्तर पर मजबूत होने की स्थिति को दर्शा रहा है।

"कांग्रेस एवं विपक्षी दलों के पास भाजपा एवं मोदी विरोध का कोई सशक्त धरातल एवं मुद्दें नहीं है। वैसे तो हर एक का जीवन अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरा रहता है। लेकिन कांग्रेस का हर दिन कई विरोधाभासों के बीच बीत रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस जिम्मेदारी को संभालने का अर्थ था भारत को सशक्त करने के साथ-साथ दुनिया को एक नया चिन्तन, नया आर्थिक धरातल, शांति एवं सह-जीवन की संभावनाओं को बल देना। नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा घोषित नई शिक्षा नीति की उपयोगिता एवं प्रासंगिकता धीरे-धीरे सामने आने लगी है एवं उसके उद्देश्यों की परते खुलने लगी है। भाजपा इसलिए भी आशान्वित है, क्योंकि जिस विपक्षी एकता की बात 2023 के मध्य से चल रही थी, उसमें दरारे पड़ती ही जा रही है। तमाम विपक्षी पार्टियां अपने-अपने ढंग से चुनाव लड़ने को तैयार हैं और कांग्रेस से उनकी खींचतान चल रही है। फिर, जहां-जहां भारतीय जनता पार्टी के लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती थीं, वहां पार्टी ने अपने अनवरत प्रयासों से खुद को मजबूत बना लिया है, फिर चाहे वह महाराष्ट्र हो या बिहार।

कांग्रेस एवं विपक्षी दलों के पास भाजपा एवं मोदी विरोध का कोई सशक्त धरातल एवं मुद्दें नहीं है। वैसे तो हर एक का जीवन अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरा रहता है। लेकिन कांग्रेस का हर दिन कई विरोधाभासों के बीच बीत रहा है। कांग्रेस की उल्टी गिनतियां चल रही हैं। उसकी उल्टी गिनती तो लम्बी चलेगी। पर जनता के दिमाग में एक बात गहरे तक बैठी हुई है कि मोदी के नेतृत्व में सब कुछ बदल जाएगा, भारत सशक्त हो जायेगा, सब कुछ अच्छा हो जाएगा एवं सब कुछ श्रेष्ठ हो जाएगा। इसके विपरीत कांग्रेस की जनता पर पकड़ ढ़लि पड़ती जा रही है, उसके बयानों में कोई बुनियादी मुद्दें नहीं होते, बार-बार बेरोजगारी की चर्चा सुनने को मिलती है, जबकि 2014 से पहले इंफ्रास्ट्रक्चर का बजट केवल 12 लाख करोड़ के आसपास था। बीते 10 सालों में बजट बढ़कर 44 लाख करोड़ हो गया है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश में कितनी नौकरियां पैदा हुई होंगी। आज युवाओं के लिए जितने नए अवसर बने हैं, ये पहले कभी नहीं बने। आज चारों तरफ स्टार्टअप्स की गूंज है, यूनिकॉर्न्स चर्चा में है। 2014 के पहले डिजिटल इकोनॉमी का साइज ना के बराबर था। आज भारत, दुनिया की अग्रणी डिजिटल इकोनॉमी है। लाखों युवा इससे जुड़े हैं और उनके सपनों को पंख लगे हैं। इसी तरह महिलाओं को सम्मानजनक जिन्दगी देने एवं उनके विकास को अग्रसर करने में मोदी सरकार ने व्यापक प्रयत्न किये हैं। एक संकल्प लाखों संकल्पों का उजाला बांट सकता है यदि दृढ़-संकल्प लेने का साहसिक प्रयत्न कोई शुरू करे। निश्चित ही अंधेरों, अवरोधों एवं अक्षमताओं से संघर्ष करने की एक सार्थक मुहिम प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 में शुरू हुई थी और उनका तीसरा कार्यकाल इन दृष्टियों से ऐतिहासिक होगा, यह आम जनता में पनप रहा विश्वास है।

मोदी ने अपने अब तक के कार्यकाल में जता दिया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति वाली सरकार अपने फैसलों से कैसे देश की दशा-दिशा बदल सकती है। कैसे राष्ट्र की सीमाओं को सुरक्षित रखते हुए पड़ोसी देशों को चेता सकती है, कैसे स्व-संस्कृति एवं मूल्यों को बल दिया जा सकता है। काशी हो या अयोध्या या ऐसे ही धार्मिक एवं सांस्कृतिक क्रांति के परिदृश्य- ये अजूबे एवं चैंकाने वाले लगते हैं। अयोध्या से नरेन्द्र मोदी ने जो संदेश दिया है, उसे केवल चुनावी नफा-नुकसान के नजरिये से नहीं देखना चाहिए, बल्कि एक सशक्त होते राष्ट्र के नजरिये से देखा जाना चाहिए। उनका यह कहना खास मायने रखता है कि सदियों की गुलामी के चलते भारत को जिस हीनभावना से भर दिया गया था, आज का भारत उससे बाहर निकल रहा है। यह स्थिति आगामी लोकसभा चुनाव की जमीन बनेगी। स्पष्ट है, आम चुनाव में अब बहुत दिन शेष नहीं है, और दोनों मोर्चों की बिसात कमोबेश बिछ चुकी है। हालांकि, एक तरफ भाजपा जैसा सुगठित दल हैं, जिसके पास मोदी जैसा एक मजबूत नेतृत्व और स्पष्ट नजरिया है। जबकि उसे चुनौती देने वाले मोर्चे में फिलहाल काफी उथल-पुथल है। ऐसे में, यदि विरोधी खेमा नहीं चेता, तो प्रधानमंत्री ने जिन आंकड़ों के साथ जीत का दावा किया, वह यदि सच हो जाए, तो आश्चर्य नहीं होगा।

प्रधानमंत्री पिछले 10 वर्षों के दौरान हासिल अपनी सरकार की उपलब्धियां न गिनाकर, विपक्ष और खासकर कांग्रेस पर तंज के तीर बरसाए, इसके पीछे उनका स्पष्ट राजनीति मकसद रहा है। प्रधानमंत्री मोदी यह बखूबी जानते हैं कि अपने प्रतिपक्षी को कभी कमतर नहीं आंकना चाहिए, फिर अगले लोकसभा चुनाव के महासंग्राम में जिस पार्टी से उनका सबसे अधिक सीटों पर आमना-सामना होना है, उसकी कमियों, उसके अंतर्विरोधों, उसकी नाकामयाबियों एवं नकारात्मक सोच को देश की जनता के सामने रखना अधिक प्रभावी एवं मनोवैज्ञानिक तरीका है, उस पर दबाव बनाने एवं उसे कमजोर साबित करने का। मोदी इसमें माहिर है एवं राजनीतिक परिवक्वता से भरे हैं।

इनसाइड

प्रत्यक्ष कर संग्रह संशोधित अनुमानों के 80 प्रतिशत पर पहुंचा

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने एक बयान में कहा प्रत्यक्ष कर संग्रह के अनंतिम आंकड़ों में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। इस दौरान कॉरपोरेट आयकर (सीआइटी) और व्यक्तिगत आयकर (पीआइटी) के सकल राजस्व संग्रह में भी लगातार वृद्धि देखी गई। बयान में कहा गया कि एक अप्रैल 2023 से 10 फरवरी 2024 के दौरान 2.77 लाख करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया है।

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष में अब तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह (रिफंड को हटाकर) सालाना आधार पर 20.25 प्रतिशत बढ़कर 15.60 लाख करोड़ रुपये हो गया है। यह राशि 2023-24 के संशोधित अनुमानों का 80.23 प्रतिशत है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT) ने एक बयान में कहा, 'प्रत्यक्ष कर संग्रह के अनंतिम आंकड़ों में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है।

ऐसे में 10 फरवरी 2024 तक प्रत्यक्ष कर संग्रह से पता चलता है कि सकल संग्रह 18.38 लाख करोड़ रुपये है। यह राशि पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 17.30 प्रतिशत अधिक है।

बयान में कहा गया कि एक अप्रैल 2023 से 10 फरवरी 2024 के दौरान 2.77 लाख करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया है। इस दौरान कॉरपोरेट आयकर (सीआइटी) और व्यक्तिगत आयकर (पीआइटी) के सकल राजस्व संग्रह में भी लगातार वृद्धि देखी गई। सीआइटी की वृद्धि दर 9.16 प्रतिशत थी, जबकि पीआइटी की वृद्धि दर 25.67 प्रतिशत रही।

लाल सागर संकट से लागत पर पड़ सकता है कुछ असर, लॉजिस्टिक चुनौतियों का करना पड़ रहा सामना- मारुति

कंपनी के कार्यकारी अधिकारी (कॉर्पोरेट मामले) राहुल भारती ने कहा लाल सागर मुद्दे के कारण हमें कुछ लॉजिस्टिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। जोखिम और वाहनों के मार्ग में बदलाव की वजह से लागत में कुछ बढ़ोतरी हो सकती है लेकिन यह उल्लेखनीय नहीं होगी। उन्होंने कहा कि माल निर्यात के समय में कुछ बदलाव हो सकता है।

नईदिल्ली। लाल सागर संकट के कारण जहाजों के मार्ग में बदलाव के चलते देश की प्रमुख कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) की लागत में कुछ बढ़ोतरी हो सकती है। वाहन क्षेत्र की इस प्रमुख कंपनी ने पिछले कैलेंडर साल में लगभग 2.7 लाख कारों का निर्यात किया था। हालांकि, कंपनी ने कहा है कि उसे नहीं लगता कि इस मुद्दे का उसके निर्यात पर कुछ विशेष प्रभाव पड़ेगा। कंपनी के कार्यकारी अधिकारी (कॉर्पोरेट मामले) राहुल भारती ने कहा, 'लाल सागर मुद्दे के कारण हमें कुछ लॉजिस्टिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस ने बेचे 1.2 करोड़ शेयर, अगले एक वर्ष में 5 करोड़ शेयर बेचने का है प्लान

परिवहन विशेष न्यूज

अमेजन के को-फाउंडर जेफ बेजोस ने कंपनी के शेयरों की बिक्री की है। बेजोस ने यह बिक्री पिछले हफ्ते की है। स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी के मुताबिक जेफ बेजोस ने 2 बिलियन डॉलर के शेयर बेचे हैं। दरअसल फरवरी की शुरुआत में ही कंपनी ने जानकारी दी थी कि अगले 12 महीनों के दौरान बेजोस कंपनी के 50 मिलियन शेयर बेचेंगे।

नई दिल्ली। वर्ष 2021 के बाद एक बार फिर अमेजन के को-फाउंडर जेफ बेजोस ने कंपनी के शेयरों की बिक्री की है। बेजोस ने यह बिक्री पिछले हफ्ते की है। स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी के मुताबिक जेफ बेजोस ने 2 बिलियन डॉलर के शेयर बेचे हैं।

दरअसल, फरवरी की शुरुआत में ही कंपनी ने जानकारी दी थी कि अगले 12 महीनों के दौरान बेजोस कंपनी के 50 मिलियन शेयर बेचेंगे। इसी कड़ी में कंपनी के 12 मिलियन शेयर बेचे जाने की जानकारी सामने आ चुकी है।

2024 में 22.6 बिलियन डॉलर का जबरदस्त मुनाफा

ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के मुताबिक बीते कारोबारी हफ्ते के आखिरी दिन शुक्रवार तक बेजोस की नेट वर्थ में 22.6 बिलियन डॉलर का इजाफा हुआ है। बेजोस की कुल संपत्ति 199.50 बिलियन डॉलर हो गई है।

कैसा रहा है शेयरों को बेचने का रिकॉर्ड

इससे पहले बेजोस ने वर्ष 2020 और 2021 में 20 बिलियन डॉलर के शेयरों की बिक्री की थी। दरअसल, 1 फरवरी को ही अमेजन के तिमाही नतीजों का एलान हुआ है।

कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक 170 बिलियन डॉलर की कुल सेल्स रही। कंपनी का नेट प्रॉफिट 10.6 बिलियन डॉलर रहा।

बता दें, बेजोस हाल ही में 60 वर्ष के हो गए हैं। वे अमेजन स्टॉक के लगभग एक अरब शेयरों के मालिक हैं।

एक वर्ष के लिए FD में कर सकते हैं निवेश, ये 5 बैंक दे रहे हैं तगड़ा

एफडी यानी फिक्स्ड डिपॉजिट में निवेश का प्लान बना रहे हैं तो ये जानकारी आपके लिए ही है। इस आर्टिकल में कुछ ऐसे बैंक की ही जानकारी दे रहे हैं जो वर्तमान में एक साल की एफडी के लिए चुने जा सकते हैं। एक वर्ष के लिए एफडी में निवेश के लिए आईसीआईसीआई बैंक के ऑप्शन पर जा सकते हैं।

नई दिल्ली। एफडी यानी फिक्स्ड डिपॉजिट में निवेश का प्लान बना रहे हैं तो ये जानकारी आपके लिए ही है।

इस आर्टिकल में कुछ ऐसे बैंक की ही जानकारी दे रहे हैं जो वर्तमान में एक साल की एफडी के लिए चुने जा सकते हैं। इन बैंक के साथ आप तगड़ा फायदा ले सकते हैं-

आईसीआईसीआई बैंक (ICICI Bank)

एक वर्ष के लिए एफडी में निवेश के लिए आईसीआईसीआई बैंक के ऑप्शन पर जा सकते हैं। वर्तमान में आईसीआईसीआई बैंक अपने ग्राहकों को एक वर्ष की एफडी पर 6.7-7.25 प्रतिशत की दर से ब्याज दे रहा है।

कोटक महिंद्रा बैंक (Kotak Mahindra Bank)

कोटक महिंद्रा बैंक अपने ग्राहकों को एक वर्ष की एफडी पर अच्छा रिटर्न ऑफर कर रहा है। वर्तमान में कोटक महिंद्रा बैंक अपने ग्राहकों को एक वर्ष की एफडी पर 6.50 प्रतिशत की दर से ब्याज दे रहा है।

एक वर्ष से ज्यादा यानी 365 दिन से 389 दिन की अवधि के लिए यही ब्याज दर 7.10 प्रतिशत रखी गई है।

बैंक ऑफ बड़ौदा (Bank of Baroda)

एक वर्ष की एफडी के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा के विकल्प पर भी जा सकते हैं। यह बैंक अपने ग्राहकों को 360 दिन की एफडी पर 7.10 प्रतिशत की दर से ब्याज दे रहा है।

स्टेट बैंक इंडिया (State Bank of India)

एक वर्ष की एफडी के लिए एसबीआई के विकल्प पर भी जा सकते हैं। यह बैंक अपने ग्राहकों को एक वर्ष की एफडी पर 6.80 प्रतिशत की दर से ब्याज दे रहा है। 2-3 वर्ष की अवधि के लिए यह ब्याज दर 7 प्रतिशत रखी गई है।

एक्सिस बैंक (Axis Bank)

एक वर्ष के लिए एफडी में निवेश के लिए एक्सिस बैंक के ऑप्शन पर जा सकते हैं। वर्तमान में एक्सिस बैंक अपने ग्राहकों को एक वर्ष की एफडी पर 6.70 प्रतिशत की दर से ब्याज दे रहा है।

बैंक	समयावधि	FD पर ब्याज दर
बैंक ऑफ बड़ौदा	360 दिन	7.10%
स्टेट बैंक इंडिया	1-2 वर्ष	6.80%
आईसीआईसीआई बैंक	1 वर्ष	6.70%
एक्सिस बैंक	1– 1 वर्ष 4 दिन	6.70%
कोटक महिंद्रा बैंक	364 दिन	6.50%

श्रीलंका और मॉरीशस में भी अब आप कर पाएंगे यूपीआई से पेमेंट, पीएम मोदी इस दिन करेंगे लॉन्च

परिवहन विशेष न्यूज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को श्रीलंका और मॉरीशस में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) सेवाओं का शुभारंभ करेंगे। विदेश मंत्रालय ने बताया कि पीएम मोदी इस दौरान दोनों देशों में यूपीआई के साथ-साथ रुपे कार्ड सेवाओं की भी शुरुआत करेंगे। श्रीलंका और मॉरीशस के साथ भारत के मजबूत सांस्कृतिक और आपसी संबंधों को देखते हुए इसे लॉन्च किया जा रहा है।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को श्रीलंका और मॉरीशस में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से डिजिटल भुगतान प्रणाली यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) सेवाओं का शुभारंभ करेंगे। पीएम मोदी के साथ इस दौरान श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ भी मौजूद रहेंगे। विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी है।

रुपे कार्ड सेवा को भी किया जाएगा लॉन्च

विदेश मंत्रालय ने बताया कि पीएम मोदी इस दौरान दोनों देशों में यूपीआई के साथ-साथ रुपे कार्ड सेवाओं की भी शुरुआत करेंगे। आधिकारिक जानकारी में बताया गया है कि यह कार्यक्रम 12 फरवरी को दोपहर एक बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से होगा।

डिजिटल लेनदेन में होगी सुविधा

मालूम हो कि श्रीलंका और मॉरीशस के साथ भारत के मजबूत सांस्कृतिक और आपसी संबंधों को देखते हुए इसे लॉन्च किया जा रहा है। भारत से श्रीलंका और मॉरीशस में यात्रा करने वाले भारतीय नागरिकों और इन दोनों देशों से भारत आने वाले यात्रियों को इस कदम से डिजिटल लेनदेन करने में सुविधा होगी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस पहल से बिना रुके डिजिटल लेनदेन के माध्यम से व्यापक वर्ग के लोगों को लाभ होगा और देशों के बीच डिजिटल कनेक्टिविटी बढ़ेगी।

मॉरीशस में RuPay कार्ड सेवा का होगा विस्तार

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, श्रीलंका और मॉरीशस में UPI और RuPay कार्ड सेवाओं की शुरुआत दोनों देशों की यात्रा करने वाले भारतीय नागरिकों के साथ-साथ भारत की यात्रा करने वाले मॉरीशस के नागरिकों के लिए यूपीआई निपटान सेवाओं की उपलब्धता को सक्षम करेगा। मॉरीशस में RuPay कार्ड सेवाओं के विस्तार से मॉरीशस के बैंक मॉरीशस में RuPay तंत्र के आधार पर कार्ड जारी करने में सक्षम होंगे।

सोने में निवेश से चमकेगी किस्मत! सॉवरेजिन गोल्ड बॉन्ड खरीदने का न चूकें मौका; 12 फरवरी से खुल रही सीरीज

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड निवेश का शानदार मौका है। निवेशकों के लिए सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की चौथी सीरीज कल यानी 12 फरवरी से खुलने जा रही है। वहीं निवेश के लिए यह कुछ ही समय का मौका होगा। 16 फरवरी को यह सीरीज बंद हो जाएगी। ऐसे में निवेश के लिए चार ही दिन का समय होगा। जारी गाइडलाइंस के मुताबिक कम से कम 1 ग्राम सोना खरीदना जरूरी है।

नई दिल्ली। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड निवेश का शानदार मौका है। निवेशकों के लिए Sovereign Gold Bond की चौथी सीरीज कल यानी 12 फरवरी से खुलने जा रही है। वहीं, निवेश के लिए यह कुछ ही समय का मौका होगा। 16 फरवरी को यह सीरीज बंद हो जाएगी। ऐसे में निवेश के लिए चार ही दिन का समय होगा। इस आर्टिकल में सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश के फायदों से लेकर खरीदारी की जानकारी दे रहे हैं-

Sovereign Gold Bond में निवेश के क्या फायदे हैं?

जीएसटी के दायरे में नहीं आता है।

सालाना 2.5 प्रतिशत ब्याज का भुगतान होता है। (छमाही आधार पर भुगतान)

बदले में लोन भी लिया जा सकता है।

गोल्ड बॉन्ड में ट्रांसफर की सुविधा मौजूद होती है।

मैच्योरिटी के बाद किसी तरह का कोई टैक्स नहीं लगता।

सोना घर पर रखने की झंझट भी खत्म हो जाती है।

शुद्धता की मिलती है पूरी गारंटी

टैक्स को लेकर समझें पूरी बात

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड मैच्योर होने के बाद मिलने वाली राशि पर निवेशक को किसी तरह का कोई ब्याज नहीं देना पड़ता है। हालांकि, निवेशकों को मिलने वाला ब्याज उनके टैक्स स्लैब के मुताबिक टैक्सेबल होता है।

ब्याज की राशि मौजूदा समय पर सोने के भाव पर आधारित होती है।

गोल्ड खरीदने की लिमिट

Sovereign Gold Bond खरीदने की लिमिट को लेकर जानकारी होना जरूरी है। केंद्रीय बैंक आरबीआई द्वारा जारी गाइडलाइंस के मुताबिक निवेशक को कम से कम 1 ग्राम और अधिकतर 4 किलोग्राम सोना खरीदने की अनुमति है।

ट्रस्ट के लिए यह सीमा कुछ बढ़ जाती है। ट्रस्ट 20 किलोग्राम तक सोने में निवेश कर सकते हैं।

यहां से खरीदें सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड किसी भी बैंक से ऑनलाइन-ऑफलाइन खरीदा जा सकता है। इसके अलावा, एनएसई, बीएसई और डाक घर से भी सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड खरीदा जा सकता है।

कितना है इश्यू प्राइस

एक ग्राम सोने का इश्यू प्राइस 6263 रुपये तय हुआ है। ऑनलाइन निवेश करते हैं तो प्रति ग्राम 50 रुपये की छूट का फायदा उठाया जा सकता है।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड का मैच्योरिटी पीरियड 8 वर्ष है। हालांकि, इससे पहले 5 वर्ष में भी राशि निकाली जा सकती है।

मजदूरी नहीं, शिक्षा की ओर बढ़ेंगे कदम! सरकार देगी 14400 रुपये तक की आर्थिक मदद

देश के नागरिकों के उत्थान और कल्याण के लिए सरकार नई-नई योजनाओं को लाती रहती है। ये सरकारी योजनाएं केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जाती हैं। इस आर्टिकल में यूपी की योगी सरकार की उस योजना की जानकारी दे रहे हैं जिसमें गरीब बच्चों को हर साल 14400 रुपये की आर्थिक मदद दी जाती है। दरअसल हम यहां श्रमिक विद्या योजना की बात कर रहे हैं।

नईदिल्ली। देश के नागरिकों के उत्थान और कल्याण के लिए सरकार नई-नई योजनाओं को लाती रहती है। ये सरकारी योजनाएं केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जाती हैं।

इस आर्टिकल में यूपी की योगी सरकार की उस योजना की जानकारी दे रहे हैं, जिसमें गरीब बच्चों को हर साल 14400 रुपये की आर्थिक मदद दी जाती है।

किस योजना में मिल रही 14400 रुपये की आर्थिक मदद

दरअसल, हम यहां श्रमिक विद्या योजना की बात कर रहे हैं। यूपी सरकार की यह योजना खासकर गरीब बच्चों के उत्थान के लिए लाई गई है।

इस योजना में लड़कों को हर महीने 1000 रुपये और लड़कियों को 1200 रुपये दिए जाते हैं। श्रमिक विद्या योजना का उद्देश्य गरीब बच्चों को शिक्षा से जोड़ना है। इस तरह एक वर्ष में लाभार्थी के खाते में 14400 रुपये तक की अधिकतम राशि सरकार की ओर से भेजी जाती है।

कौन-से लोग ले सकते हैं योजना का लाभ

8 से 18 आयु वर्ग के कामकाजी बच्चे/किशोर-किशोरी जो की संगठित या असंगठित क्षेत्र में कार्य कर अपने परिवार की आय में वृद्धि में सहयोग कर रहे हैं, योजना का लाभ ले सकते हैं।

इसमें कृषि, गैर कृषि, स्वरोजगार, गृह आधारित प्रतिष्ठान, घरेलू कार्य व किसी प्रकार का भी अन्य श्रम शामिल है।

योजना से जुड़ी जरूरी बातें

इस योजना का लाभ इन पांच कैटेगरी में आने वाले बच्चों को ही मिलेगा-

ऐसे परिवार जहां-

माता या पिता या दोनों की मृत्यु हो चुकी हो।

माता या पिता या दोनों स्थाई रूप से विकलांग हो

महिला या माता/पिता की मुखिया हो।

माता या पिता या दोनों स्थाई किसी गंभीर असाध्य रोग से ग्रसित हो।

भूमिहीन परिवार

योजना के लिए जरूरी दस्तावेज

आधार कार्ड

पैन कार्ड

निवास प्रमाण पत्र

मोबाइल नंबर

पासपोर्ट साइज फोटो

ये भी पढ़ें: PM Vishwakarma Yojana: खुद का बिजनेस शुरू करने के लिए सरकार करेगी आपकी मदद, बिना गारंटी ऐसे मिलेगा 3 लाख रुपये का लोन

श्रमिक विद्या योजना के लिए ऐसे करें आवेदन

सबसे पहले यूपी सरकार के बाल श्रमिक विद्या योजना पोर्टल (https://www.bsvy.in/) पर आना होगा।

अब ऑनलाइन आवेदन के लिए (https://www.bsvy.in/Home/SignUp) पर साइन-अप आना होगा।

यहां लाभार्थी के अभिभावक या कोई दूसरा व्यक्ति अपनी जानकारी दे सकता है।

नाम, मोबाइल नंबर, पासवर्ड की जानकारियां देने के बाद यूजर बनाएं पर क्लिक करना होगा।

रजिस्ट्रेशन के बाद रजिस्टर्ड आईडी पासवर्ड के साथ अकाउंट लॉग-इन कर मांगी गई जानकारियों को भर कर सबमिट करना होगा।

योजना के लिए रजिस्ट्रेशन हो चुका है तो https://www.bsvy.in/Home/ApplicationSearch पर रजिस्टर्ड आईडी खोज सकते हैं।

नोट- इस योजना से जुड़ी ज्यादा जानकारी के लिए (https://www.bsvy.in/Home/Index#DVAboutUS) पर विजिट कर सकते हैं।

भारतीय बॉन्ड बाजार में जमकर पैसा लगा रहे FPI, फरवरी में अब तक 15,000 करोड़ रुपये का किया निवेश

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPI) ने इस महीने अब तक देश के बॉन्ड बाजार में शुद्ध रूप से 15093 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे पहले एफपीआइ ने जनवरी में बॉन्ड बाजार में 19836 करोड़ रुपये डाले थे जो छह साल से अधिक समय का सबसे ऊंचा मासिक आंकड़ा है। इस तरह 2024 में एफपीआइ का कुल निवेश 34930 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPI) ने इस महीने अब तक देश के बॉन्ड बाजार में शुद्ध रूप से 15,093 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

जेपी मार्गन इंडेक्स में भारत सरकार के बॉन्ड को शामिल करने और व्यापक रूप से अर्थव्यवस्था के स्थिर परिदृश्य के चलते निवेश में वृद्धि दिखाई दे रही है।

इससे पहले 19,836 करोड़ रुपये का रहा निवेश

इससे पहले एफपीआइ ने जनवरी में बॉन्ड बाजार में 19,836 करोड़ रुपये डाले थे, जो छह साल से अधिक समय का सबसे ऊंचा मासिक आंकड़ा है। इस तरह 2024 में एफपीआइ का कुल निवेश 34,930 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। इससे पहले जून, 2017 में एफपीआइ ने बॉन्ड बाजार में 25,685 करोड़ रुपये का निवेश किया था। डिपाजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन अवधि में एफपीआइ ने शेयरों से 3,000 करोड़ रुपये से अधिक निकाले हैं।

इससे पहले जनवरी में उन्होंने शेयरों से 25,743 करोड़ रुपये की भारी निकासी की थी।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा, 'शेयर और बांड में इस भिन्न प्रवृत्ति का मुख्य कारण भारतीय शेयर बाजार का ऊंचा मूल्यांकन और अमेरिका में बांड पर बढ़ता प्रतिफल है।

दिसंबर, 2023 में उन्होंने बांड बाजार में 18,302 करोड़ रुपये, नवंबर में 14,860 करोड़ रुपये और अक्टूबर में 6,381 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड को जनवरी में मिला 1,287 करोड़ का निवेश

निवेशकों ने जनवरी में लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड (बड़े शेयरों में निवेश वाले कोष) में 1,287 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

यह 19 माह में निवेश का उच्चस्तर है। छोटी और मझोली कंपनियों के कोषों में तेजी ने उनके मुनाफावसूली के लिए प्रेरित किया है और लार्ज-कैप में उनका निवेश बढ़ा है।

इससे पहले दिसंबर, 2023 में उन्होंने लार्ज-कैप फंड से 281 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी। निवेश का मौजूदा स्तर पिछले साल जनवरी के 716 करोड़ रुपये के आंकड़े से 80 प्रतिशत अधिक है।

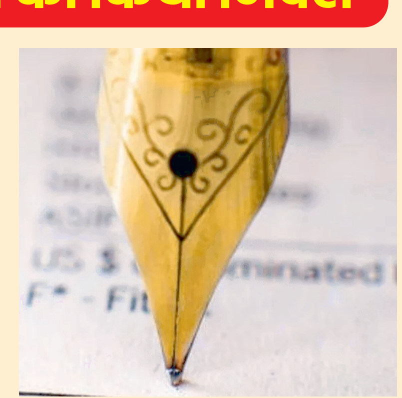

सिंघु बॉर्डर पर कंटीले तार, सीमेंट के बैरिकेड्स और 3000 जवान; किसान आंदोलन की सुगबुगाहट के बीच दिल्ली पुलिस अलर्ट

जगदीश सीरवी

किसानों के दिल्ली कूच के मद्देनजर सिंघु बॉर्डर पर पुलिस ने चौकसी बढ़ा दी है। सिंघु बॉर्डर पर 16 कंपनियां तैनात होंगी। जिसमें दिल्ली पुलिस व अर्द्ध सैनिक बल के 2500 से 3000 जवान तैनात रहेंगे। रविवार तक यहां करीब करीब एक सौ पुलिस व अर्द्धसैनिक बल के जवान पहुंच चुके हैं। बॉर्डर के आसपास बंद पड़े सीसीटीवी कैमरे भी सही कराए जा रहे हैं।

बाहरी दिल्ली। आगामी 13 फरवरी को होने वाले किसान आंदोलन (Kisan Andolan) की सुगबुगाहट के बीच दिल्ली पुलिस ने सिंघु बॉर्डर पर चौकसी बढ़ा दी है। रविवार की सुबह से ही सिंघु पर भारी मात्रा में कंटीले तार, मिट्टी से भरी बोरियां, सीमेंट व लोहे के बैरिकेड्स व अन्य सामान लाए जा रहे हैं।

आठ से अधिक क्रेन व जेसीबी मशीन भी बॉर्डर पर मौजूद हैं। बड़े-बड़े कंटेनर भी लाए जा रहे हैं। जरूरत पड़ने पर इन कंटेनर को बॉर्डर पर खड़े करने की भी तैयारी चल रही है।

सुरक्षा को लेकर तैयारी पूरी

जिले के एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक सुरक्षा को लेकर दिल्ली पुलिस ने तकरीबन तैयारी पूरी कर ली है। आलाधिकारियों के निर्देश पर बॉर्डर पर सुरक्षा को लेकर इंतजाम बढ़ाए जा रहे हैं। कई तरह के सामान मंगवाएं जा रहे हैं।

सीसीटीवी कैमरों से हर गतिविधि पर नजर

बॉर्डर के आसपास दिल्ली की सीमा में बंद पड़े सीसीटीवी कैमरे भी सही कराए जा रहे हैं। कई अतिरिक्त कैमरे भी दिल्ली पुलिस की ओर से लगाए जा रहे हैं। आधा दर्जन से अधिक ड्रोन से भी सीमा क्षेत्र में निगरानी रखी जाएगी।

ड्रोन के साथ ड्रोन चलाने वालों को भी बुलाया जा चुका है। कई लेयर में सीमेंट के बैरिकेड्स लगाने की तैयारी है। बॉर्डर के आसपास दिल्ली पुलिस मचान बनानेम में जुटी है। तीन से अधिक तैयार मचान पर फोर्स भी तैनात हैं। यहां से सीमा पर हो रही गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं।

Kisan Andolan: 3000 जवान रहेंगे तैनात

सिंघु बॉर्डर पर 16 कंपनियां तैनात होंगी। जिसमें दिल्ली पुलिस व अर्द्ध सैनिक बल के 2500 से 3000 जवान तैनात रहेंगे। रविवार तक यहां करीब करीब एक सौ पुलिस व अर्द्धसैनिक बल के जवान पहुंच चुके हैं।

एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक दिल्ली पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है, हालात देखने के बाद ही आगे और जवान बॉर्डर पर बुलाए जा सकते हैं।

सीमा क्षेत्र में यातायात पुलिस भी लगातार वाहनों की चेकिंग कर रही है। चेकिंग के बाद ही सीमा के अंदर गाड़ियां आ रही है। इसके अलावा अतिरिक्त लाइट की व्यवस्था भी की गई है।

मुकरबा चौक पर भी लाए गए सीमेंट के बैरिकेड्स

मुकरबा चौक पर भी दिल्ली पुलिस की ओर से रविवार को कई सीमेंट व लोहे के बैरिकेड्स लाए गए हैं। यहां भी क्रेन व जेसीबी भी तैनात कर दिए गए हैं।

जरूरत पड़ने पर पुलिस की ओर से मुकरबा चौक व आसपास सीमेंट के बैरिकेड्स लगाए जाएंगे। देर शाम तक इसे सड़कों पर नहीं लगाए गए हैं। सीसीटीवी कैमरों से भी इस चौक पर दिल्ली पुलिस की ओर से निगरानी रखी जा रही है।

क्या आप जानते है ओंकारेश्वर में शिवजी और मां पार्वती के लिए बिछाई जाती है चौसर पासे की बिसात

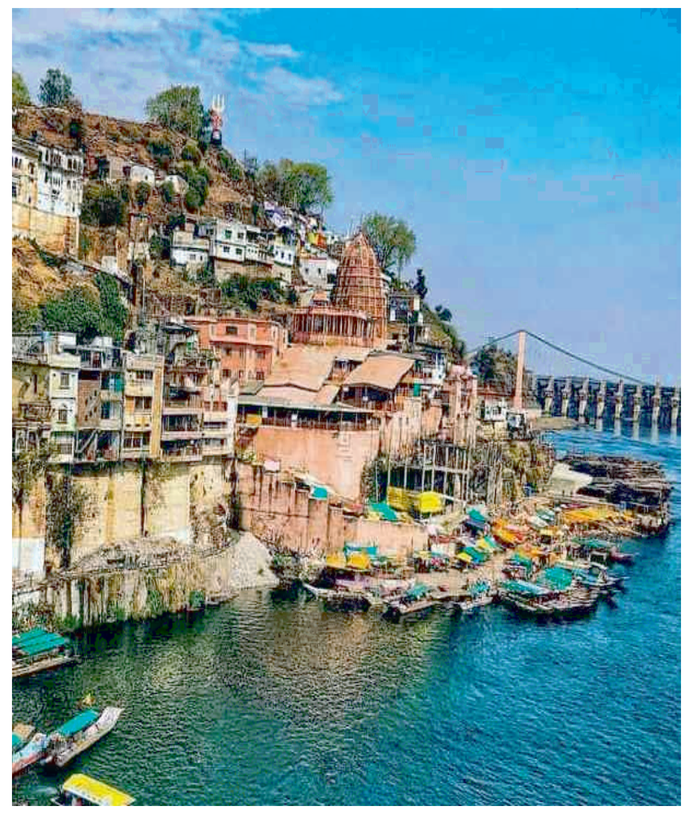

12 ज्योतिर्लिंगों में से एक मध्यप्रदेश में इंदौर के पास स्थित ओमकारेश्वर ज्योर्तिलिंग को बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। इस मंदिर क्षेत्र में तीन पुरियां हैं- शिवपुरी, विष्णुपुरी और ब्रह्मपुरी। यहां का मंदिर नर्मदा नदी के तट पर स्थित है। यहां पर शिवजी की तीन प्रहर की आरती की जाती है। सुबह, शाम और रात्रि को शयनारती के समय स्वयं शिवजी उपस्थित रहते हैं।

शयनकाल की आरती के बाद शयन आसन में शिव-पार्वती जी के लिए यहां पर चौपड़ सजायी जाती है। मान्यता है कि भोलेनाथ और मां पार्वती दोनों चौपड़ खेलने आते हैं। इस परंपरा को प्राचीनकाल से ही निभाया जा रहा है।

ज्योर्तिलिंग के सामने प्रतिदिन चौपड़ बिछाकर उसकी गोटे और पासे यथास्थान रखे जाते हैं। इस प्राचीन खेल मे चौकोर सफेद काले बॉक्स होते है, जिस पर गोट जमाई जाती है।

चौपड़ पासे जमाकर मंदिर के द्वार परजूना की जाती है, और इसके बाद द्वार पर ताले लगा दिए जाते हैं। इस दौरान रात्रिकाल में किसी को भी मंदिर में जाने की अनुमति नहीं रहती है। अगले दिन ब्रह्म मुहुर्त में मंदिर के जब पट खोले जाते हैं तो चौपड़ पर रखी गोटे और पासे इस प्रकार से बिखरे मिलते हैं कि जैसे उनसे खेला गया हो। बताया जाता है कि ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग ही एक मात्र ऐसा तीर्थ स्थल है। जहां हर रात भगवान शिव और माता पार्वती आते हैं और उसके बाद वे दोनों चौसर खेलते हैं। कहते हैं कि तीनों लोक का भ्रमण करने के बाद शिवजी यहां पर चौसर खेलने के बाद रात्रि विश्राम करते हैं।

हर हर_महादेव_शिव शंभू

राम और राष्ट्र पर कोई समझौता नहीं'-आचार्य प्रमोद कृष्णम- कांग्रेस से 6 साल के लिए निष्कासित

परिवहन विशेष न्यूज

एसडी सेठी। काफी दिनों से कांग्रेस पार्टी की आंख की किरकिरी बने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, प्रवक्ता आचार्य प्रमोद कृष्णम का राम नाम सत्य हो गया है। प्रमोद कृष्णम ने कांग्रेस पार्टी को अयोध्या में राम लला की प्राण परतिष्ठा में शरिख ना होने के फरमान पर सख्त बयानबाजी की थी। इस बात से बौखलाए पार्टी ओहदेदारों ने उन्हें अनुशासनहीनता के आरोप में कांग्रेस पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है ।निष्कासित किए जाने पर उन्होने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी से नफरत करते- करते सनातन को मिटाने पर तुल गए हैं। उन्होने कहा कि भगवान शिव की तरह जहर पीता रहा। लेकिन आचार्य प्रमोद, प्रियंका और सचिन पायलट का जिक्र कर भावुक भी हो गए। दुखी आचार्य प्रमोद कृष्णम ने यहां तक कह डाला कि 'राम और राष्ट्र पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता है। दूसरी ओर कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने एक बयान में कहा कि अनुशासनहीनता और बार-बार पार्टी विरोधी टिप्पणियों की शिकायतों को ध्यान में रखते हुए पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने प्रमोद कृष्णम को तत्काल प्रभाव से 6 साल की अवधि के लिए पार्टी से निष्कासित करने के उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है ।उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर ₹श्री कल्कि धाम₹ के शिलान्यास समारोह के लिए उन्हें आमंत्रित किया था ।इसके अलावा टीवी डिबेट के दौरान उनके उपर पार्टी लाइन से बाहर जाकर बयान देने का आरोप लगा था ।कांग्रेस पार्टी उनके बागी तेवर से खासी परेशान थी ।बहरहाल अभी-तक आचार्य प्रमोद कृष्णम ने भाजपा जोईन करने पर पत्ते नहीं खोले है। पर सूत्रों का दावा है कि देर- सवेर वह भाजपा में शामिल होने जा रहे हैं।

जेल में कैद महिलाए गर्भवती, 196 बच्चे पैदा कैसे ?

परिवहन विशेष।एसडी सेठी। जेल में बंद अति - सुरक्षित चारदिवारी में महिलाओ के गर्भवती होने के अलावा 200 के करीब बच्चे पैदा होने के गम्भीर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए पूरी रिपोर्ट मांग ली है। दरअसल पश्चिम बंगाल की जेलों में बंद महिला कैदियों के गर्भवती होने के संगीन मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह इस पूरे मामले की जांच करेगा। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस संजय कुमार की खंडपीठ ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई करते हुए सीनियर अधिवक्ता गौरव अग्रवाल, जो जेलों की स्थितियों पर स्वतः संज्ञान मामले में न्याय मित्र है। जेलों में महिलाओं

के गर्भधारण के मुद्दे की जांच करने और अदालत को रिपोर्ट सौंपने को कहा है ।पिछले दिनों जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अमानुल्लाह की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस मामले में आखिरी सुनवाई की थी। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल की विभिन्न जेलों में लगभग 196 बच्चे पैदा हुए है ।एमिकस क्यूरी ने गुरूवार को इस मामले में कोलकाता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस टीएस शिवगणनम और जस्टिस सुप्रतिम भट्टाचार्य की खंडपीठ के सामने दो नोट रखे थे ।नोट के मुताबिक पढते हुए कहा था मीलॉड ,यह जानकर हैरानी होगी कि हिरासत में रहने के दौरान महिला कैदी गर्भवती हो रही है ।वर्तमान में 196 बच्चे पश्चिम बंगाल की विभिन्न जेलों में रह रहे हैं ।पहले भी चीफ जस्टिस की अगुवाई वाली खंडपीठ से गुजारिश की थी कि जेल सुधार गृहों में तैनात पुरूष कर्मचारियों का महिला कैदियों के बाडो के अंदर प्रवेश तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध किया जाना चाहिए।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नाम पर ओड़शिा की जकिआ पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज

परिवहन विशेष न्यूज

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़शिा

भुबनेस्वर्: कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नाम पर थाने मे FIR दर्ज हुआ है ।दो दिन पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ओडिशा आए थे ।उन्होंने ओडिशा आकर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओबीसी जाति की कड़ी भाषा में आलोचना की थी । ओडिशा में विरोध प्रदर्शन किया है । तेली जाति के सुदाम चरण साहू ने आज खोरधा जिले के जंकिया थाने में राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज करायी है ।

हर्षोउल्लास के साथ मनाई गई माही बीज

लोकेशन पाल, रिपोर्टर जगदीश सीरवी

राजस्थान पाली सीरवी समाज की आराध्या देवी श्री आई माता का प्रकट दिवस माही बीज हर्षोउल्लास रामदेव स्थित श्री आई माता वडेर मंदिर से निकाली गई शोभायात्रा हर्षो के साथ मनाई गई माही बीज। सीरवी समाज अध्यक्ष प्रकाश चौधरी मारवाड़ जंक्शन विधायक केसाराम चौधरी पाली संसद पी पी चौधरी आखिल सीरवी महासभा के माह सचिव भंवरलाल चौधरी सभी सीरवी पुरुष एवं महिला ओर बच्चों भी उपस्थित रहे।

विकास कार्यों में शिथिलता पर तय होगी जवाब देही

फ़र्ज़ी हाज़िरी भरने वाले मेटों के ख़िलाफ़ दर्ज होगी एफआईआर

परिवहन विशेष न्यूज

शाहपुरा ज़िले के खंड विकास अधिकारियों की समीक्षात्मक बैठक में आज जिला कलेक्टर शाहपुरा टीकम चन्द बोहरा ने सभी खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत फ़र्ज़ी हाज़िरी भरने वाले मेटों को न केवल ब्लैक लिस्ट किया जाएगा बल्कि निरीक्षण करने वाले जेटीए, सहायक अभियंता और खंड विकास अधिकारियों के द्वारा मौक़े की वीडियो रिकॉर्डिंग की जाएगी और उनके ख़िलाफ़ पुलिस थाने में एफ़आइआर दर्ज कराई जाएगी। जिन कामों पर श्रमिकों के बजाय उस मशीनरी से कार्य कराया हुआ पाया जाए उन मामलों में भी संबंधित मेरिट के ख़िलाफ़ FIR दर्ज कराई जाएगी।

समय सीमा में करने होंगे कार्य

जिला कलेक्टर बोहरा ने विकास कार्यों में धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि सांसद विकास कोष एवं विधायक कोष के अपूर्ण कार्यों को मार्च से पहले पूर्ण किया जाए। सौ दिवसीय कार्य योजनाओं में लिए गए कार्यों को फ़रवरी माह के अंत तक आवश्यक रूप से पूरा किया जाए।

स्वच्छ भारत मिशन में ग्राम पंचायतों की धीमी प्रगति पर हिदायत दी गई कि पूर्व में बनाए गए सभी शौचालयों के उपयोग के लिए ग्रामीणों को प्रेरित किया जाए तथा ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन के उपाय एक माह में किये जाकर इस योजना के राइज़िंग/उदीयमान स्तर को प्राप्त किया जावे।

सरकारी भूमि पर पट्टा देने पर होगी पंचायत के ख़िलाफ़ कार्रवाई

ग्राम पंचायतों द्वारा राजकीय बिलानाम चारागाह एवं विभागीय भूमि पर किसी भी दशा में पट्टे जारी नहीं किए जा सकेंगे। ग्राम पंचायतों द्वारा जारी किए जाने वाले आवासीय पट्टों की सूचना हर माह पंचायत समिति कार्यालय को देना अनिवार्य होगा। आबादी भूमि के पट्टे जारी करने से पूर्व के लिए अब ग्राम पंचायत को संबंधित तहसीलदार से यह प्रमाण पत्र लेना होगा कि भूमि आबादी की है। जिन ग्राम पंचायतों द्वारा राजकीय बिलानाम एवं चारागाह भूमि पर पट्टे जारी किए गए हैं उसकी सूची पंचायत समिति एवं तहसील कार्यालय को उपलब्ध करायी जाएगी। नियमों के विपरीत जारी किए गए पट्टे यदि पंचायत के द्वारा जारी अवैध पट्टों को निरस्त कर लें अन्यथा उनके विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज कराया जाएगा।

निरीक्षण में कोताही नहीं होगी बर्दाश्त

जिला कलेक्टर द्वारा खंड विकास अधिकारियों, तकनीकी अधिकारियों के द्वारा नरेगा एवं विकास कार्यों का नियमित रूप से निर्धारित मापदंडों के

अनुसार निरीक्षण करने और निर्धारित प्रपत्र में निरीक्षण रिपोर्ट में अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने की हिदायत दी। अब तक निरीक्षण में बरती गई शिथिलता के लिए जवाबदेही तय करके संबंधित के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

ग्राम पंचायतों की उपस्थिति पर निगरानी

ग्राम पंचायतों पर के कार्यालयों पर प्रतिदिन समय पर उपस्थिति अनिवार्य

जिला कलेक्टर ने बताया कि सभी ग्राम पंचायत कार्यालयों पर प्रतिदिन ग्राम विकास अधिकारी एवं अन्य स्टाफ़ कार्यालय समय पर उपस्थित होंगे और पंचायत समिति कार्यालय को उपस्थिति पंजिका कि ये फ़ोटो खींच कर वाट्सएप के ज़रिए खंड विकास अधिकारी को सूचित करेंगे। जिन ग्राम विकास अधिकारियों के पास दूसरी ग्राम पंचायतों के अतिरिक्त चार्ज हैं उन पंचायतों में वे प्रत्येक मंगलवार एवं गुरुवार को उपस्थित होंगे ताकि ग्राम वासियों को पंचायत से संबंधित कार्यों में किसी तरह की ऐसी सुविधा नहीं हो।

पेंशन के लिए फ़र्ज़ीवाड़ा पड़ेगा भारी

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत दी जा रही पेंशन के सत्यापन में शिथिलता बरतने वाले ग्राम पंचायतों के ग्राम विकास अधिकारियों की जवाब देही तय करके अनुशासनात्मक कार्रवाई के प्रस्ताव भेजना हेतु खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया गया। नियमों के विपरीत इन फ़र्ज़ी तरीक़े से आधार कार्ड में जन्मतिथि परिवर्तन करने वाले ई मित्र संचालकों के लाइसेंस निलंबित करने और संबंधित व्यक्तियों के ख़िलाफ़ पुलिस कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान शाहपुरा ज़िले के सभी खंड विकास अधिकारी, अतिरिक्त विकास अधिकारी, सहायक अभियंता एवं कनिष्ठ तकनीकी सहायक तथा पंचायत समिति के प्रगति प्रसार अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023